अषाढ़ मास, शुक्ल पक्ष 20 वर्ष, अंक 238 पृष्ठ 8 मूल्य 1.00

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज से प्रकाशित

www.akhandbharatsandesh.net

नगर संस्करण प्रयागराज | सोमवार 23 अगस्त 2021 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

क्रियायोग संदेश

स्थायी सुख, शान्ति व निर्भय वातावरण के लिए "क्रियायोग अभ्यास करें" सत्य की अनुभूति में सभी प्रकार के क्लेश हमेशा के लिए दूर हो जाते हैं। अध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने सिद्ध कर दिया है कि क्रियायोग के द्वारा हम सत्य से जुड़ जाते हैं। ज्ञान, शक्ति, शान्ति, आनन्द, नाम-यश, धन आदि के लिए मनुष्य को दर-दर भटकना पड़ता है, और प्राप्त न होने पर मनुष्य में हिंसक प्रवृत्ति प्रकट होती है। क्रियायोग में भक्ति दृढ़ होने पर ज्ञान, शक्ति, शान्ति,आनन्द, धन आदि सब कुछ स्वयं मनुष्य के पास आ जाते हैं।

क्रियायोग प्राचीनतम् एवं नित्य नवीन पूर्ण विज्ञान है। ईश्वरीय नियमों के अनुसार कलिकाल में क्रियायोग का ज्ञान विलुप्त हो गया। आरोही द्वापर युग के आते ही मृत्युंजय अमर गुरु श्री महावतार बाबा जी द्वारा क्रियायोग को पुनर्जीवित कर पुनः परिष्कृत किया गया। उन्नीसवीं शताब्दी में महावतार बाबाजी ने क्रियायोग को लाहिड़ी महाशय जी के माध्यम से मानवजाति को दिया। क्रियायोग ही सनातन धर्म में वर्णित यज्ञ है। क्रियायोग ही वेदपाठ है। क्रियायोग अभ्यास से मनुष्य को अपने वास्तविक स्वरूप "अहंब्रह्मास्मि" की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

स्वामी श्री योगी सत्यम्
क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान
प्रयागराज
10 मिनट का अभ्यास 20 वर्ष का विकास

एमबीबीएस वाले खुलासे के बाद हुर्रियत पर चलेगा हथौड़ा

दोनों धड़ों को बैन कर सकती है मोदी सरकार

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में करीब दो दशक से अधिक समय से अलगाववादी गतिविधियों की अगुवाई कर रहे 'हुर्रियत कॉन्फ्रेंस' के दोनों धड़ों पर कड़े गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (ळैंई) के तहत प्रतिबंध लगाया जा सकता है। अधिकारियों ने कहा कि पाकिस्तान स्थित संस्थानों की ओर से कश्मीरी छात्रों को ड्डैए सीट देने के मामले में हाल में की गई जांच से संकेत मिलता है कि हुर्रियत कॉन्फ्रेंस का हिस्सा रहे कुछ संगठन स्टूडेंट्स ले रुपए लेकर केंद्रशासित प्रदेश में आतंकवादी संगठनों को फंड दे रहे हैं। अधिकारियों ने कहा कि हुर्रियत के दोनों धड़ों को गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) की धारा 3(1) के तहत प्रतिबंधित किए जाने की संभावना है। अधिकारियों ने कहा, "यदि केंद्र सरकार को लगता है कि कोई संगठन एक गैर-कानूनी संगठन है या बन गया है, तो वह आधिकारिक राजपत्र में अधिसूचना द्वारा ऐसे संगठन को ळैंई के तहत गैर-कानूनी घोषित कर सकती है।" उन्होंने कहा कि आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति के तहत यह प्रस्ताव रखा गया।

हुर्रियत कॉन्फ्रेंस का गठन 1993 में हुआ था, जिसमें कुछ पाकिस्तान समर्थक और जमात-ए-इस्लामी, जेकेएलएफ (जम्मू कश्मीर लिबरेशन फ्रंट) और दुख्तरान-ए-मिल्लत जैसे प्रतिबंधित संगठनों समेत 26 समूह शामिल हुए। इसमें पीपुल्स कॉन्फ्रेंस और मीरवाइज उमर फारूक की अध्यक्षता वाली अवामी एक्शन कमेटी भी शामिल हुई। यह अलगाववादी समूह 2005 में दो गुटों में टूट गया। नरमपंथी गुट का नेतृत्व मीरवाइज और कट्टरपंथी गुट का नेतृत्व सैयद अली शाह गिलानी के हाथों में है।केंद्र जमात-ए-इस्लामी और जेकेएलएफ को ळैंई के तहत प्रतिबंधित कर चुका है। यह प्रतिबंध 2019 में लगाया गया था। अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादी समूहों की फंडिंग की जांच में अलगाववादी नेताओं की कथित संलिप्तता का संकेत मिलता है। इन नेताओं में हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के लोग भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के सदस्य प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों हिज्बुल-मुजाहिदीन (एचएम), दुख्तरान-ए-मिल्लत (डीईएम) और लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के सक्रिय आतंकवादियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि इन लोगों ने जम्मू-कश्मीर में अलगाववादी और आतंकवादी गतिविधियों के फंडिंग के लिए हवाला सहित विभिन्न अवैध माध्यमों से देश और विदेश से धन जुटाया। उन्होंने दावा किया कि एकत्र किए गए धन का इस्तेमाल आपराधिक साजिश के तहत कश्मीर घाटी में सुरक्षाबलों पर पथराव करने, स्कूलों को व्यवस्थित रूप से जलाने, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ने के लिए किया गया।यूएपीए के तहत हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के दोनों गुटों पर प्रतिबंध लगाने की आवश्यकता बताते हुए उन्होंने आतंकी गतिविधियों के लिए आर्थिक मदद देने संबंधी कई मामलों का हवाला दिया, जिनमें से एक मामले की जांच राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) कर रहा है, जिसके तहत समूह के कई लोगों को गिरफ्तार किया गया और जेल भेज दिया गया।

अफगान से हिंदू-सिखों के पलायन पर मोदी सरकार ने कहा- इसलिए तो जरूरी था सीएए

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद अल्पसंख्यक हिंदू और सिख समुदाय के लोग बेहद खौफ में हैं। वे जान बचाकर भारत में शरण लेने को बेताब हैं। इनमें से कुछ लोग काबुल से नई दिल्ली तक का सफर तय करने में कामयाब रहे हैं। रविवार को भारतीय वायु सेना का विशेष विमान काबुल से 168 लोगों को लेकर गाजियाबाद के हिंडन एयर बेस पहुंचने के बाद केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा अफगानिस्तान संकट की ओर इशारा करते हुए कहा कि यह वजह है कि संशोधित नागरिकता कानून (ण्ँ) आवश्यक है। एक न्यूज आर्टिकल को शेयर करते हुए सिंह ने ट्वीट किया, "अस्थिर पड़ोस में ताजा घटनाक्रम और जिस तरह से सिख और हिंदू खौफनाक समय से गुजर रहे हैं, यही कारण है कि नागरिकता संशोधन अधिनियम को लागू करना आवश्यक था।

जनसंख्या नियंत्रण में नाकाम राज्यों को संसद में ज्यादा सीटें क्यों हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। जनसंख्या नियंत्रण में नाकाम रहने वाले राज्यों का संसद में प्रतिनिधित्व ज्यादा क्यों है मद्रास हाई कोर्ट ने यह सवाल हाल ही में एक आदेश में केंद्र सरकार से पूछा है। कोर्ट ने कहा कि तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों ने सफलतापूर्वक जनसंख्या पर नियंत्रण किया।

इसके बावजूद इन राज्यों में सांसदों की संख्या कम कर दी गई। वहीं उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्य प्रदेश जैसे राज्य जनसंख्या नियंत्रण में नाकाम हैं, फिर भी यहां पर सांसदों की संख्या ज्यादा है।

जस्टिस एन किरुबाकारण और बी पुंगालेंदी की बेंच ने 17 अगस्त को एक आदेश पास किया। इस आदेश में कहा गया है कि पिछले 14 चुनावों के एवज में तमिलनाडु को कंपनसेशन मिलना चाहिए। कोर्ट ने यह राशि 5600 करोड़ रुपए के लगभग बताई है।

मद्रास हाई कोर्ट ने कहा कि 1962 तक तमिलनाडु में 41 लोकसभा सांसद हुआ करते थे। लेकिन जनसंख्या घटने के बाद यहां पर संसदीय सीटों की संख्या घटाकर 39 कर दी गई। कोर्ट ने कहा कि राज्य की कोई गलती न होने के बावजूद यहां संसदीय प्रतिनिधियों की संख्या कम कर दी गई। इस दशा में कम से कम राज्यसभा प्रतिनिधियों की संख्या बढ़ा दी जानी चाहिए थी, ताकि जनसंख्या नियंत्रण के लिए तमिलनाडु के सफल प्रयासों को पहचान तो मिलती।

ला गणेशन बने मणिपुर के नए गवर्नर, राष्ट्रपति कोविंद ने दी मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मणिपुर को नया राज्यपाल मिल गया है। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने ला गणेशन को मणिपुर का नया राज्यपाल नियुक्त किया गया है। बता दें कि गणेशन भारतीय जनता पार्टी के सीनियर रह चुके हैं और इससे पहले वह राज्यसभा के सदस्य भी रह चुके हैं। ला गणेशन तमिलनाडु भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष पद पर भी काम कर चुहे हैं और इसके अलावा उन्होंने भाजपा में कई अलग-अलग पदों पर काम करके पार्टी को मजबूत करने का काम किया है। गोरतलब है कि पीएम मोदी के मंत्री मंडल विस्तार के पहले भी कई राज्यों के राज्यपाल बदले गए थे। तब भी कई राज्यपालों की नियुक्ति की गई थी। ला गणेशन ने इस मौके पर कहा, ठमैं बहुत उत्साहित महसूस करता हूं क्योंकि

मेरे काम को मान्यता मिली है। मैं भारत में कहीं भी काम करने के लिए तैयार हूं। अपने अनुभव से मुझे लगता है कि पूरा भारत एक है।

अलीगढ़ पहुंचा कल्याण सिंह का पार्थिव शरीर, आज होगा अन्तिम संस्कार

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह का 89 साल की उम्र में शनिवार शाम निधन हो गया। वह कई दिनों से बीमार चल रहे थे। कल्याण सिंह की सेहत को देखते हुए सबसे पहले उन्हें लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बीते 4 जुलाई को उनकी हालत फिर से बिगड़ने पर उन्हें यहां से उन्हें पीजीआई में शिफ्ट किया गया था। कल्याण सिंह का अंतिम संस्कार कल यानि सोमवार 23 अगस्त को अलीगढ़ में किया जाएगा। कल सार्वजनिक अवकाश रहेगा। पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के दाह संस्कार के लिए 25 किलो चंदन की लकड़ी की

व्यवस्था की गई है। आर्य समाज के 11 आचार्य अंतिम संस्कार वैदिक रीति रिवाज से सम्पन्न कराएंगे। अलीगढ़ के धनीपुर हवाई पट्टी से उनका पार्थिव शरीर को जिला स्पोर्ट्स स्टेडियम लाया गया। यहां पर पंडाल के नीचे पूर्व सीएम का शव रखा गया और आम जनता पूर्व सीएम को श्रद्धांजलि दी। पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह पार्थिक शरीर शाम पांच बजे अलीगढ़ पहुंच गया। पार्थिव शरीर के साथ एअर एंबुलेंस में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह भ मौजूद रहे।

गम में डूबा कल्याण सिंह का गांव, किसी के घर में नहीं जले चूल्हे

अपने गांव की आन-बान और शान पूर्व सीएम कल्याण सिंह के निधन का समाचार उनके पैतृक गांव मढ़ौली के लोगों के दिल पर बिजली की तरह गिरा। शनिवार रात जब यह अभागा समाचार गांव पहुंचा तो नींद लोगों को आगोश में लेने की तैयारी कर रही थी। बाबूजी के निधन के समाचार ने पूरे गांव शोक में डूबा दिया।

यूपी में आज सार्वजनिक अवकाश, बंद रहेंगे स्कूल व दफ्तर

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता कल्याण सिंह का 89 वर्षीय में कल निधन हो गया। वह बीते कुछ समय से बीमार चल रहे थे। उनका अंतिम संस्कार कल यानि सोमवार (23 अगस्त) को अलीगढ़ के नरौरा में गंगा तट पर किया जाएगा। इसके चलते कल यूपी में सार्वजनिक अवकाश रहेगा। यूपी सरकार ने शनिवार को कल्याण सिंह के निधन पर शोक जताते हुए प्रदेश में तीन दिनों के राजकीय शोक और कल सार्वजनिक अवकाश की भी घोषणा की थी। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने यूपी में तीन दिन के राजकीय शोक के साथ ही पार्टी की ओर से भी किसी कार्यक्रम का आयोजन इन तीन दिनों में नहीं आयोजित किया जाएगा। यूपी में कल सार्वजनिक अवकाश की घोषणा की गई है, जिस दौरान सभी कार्यालयों, स्कूलों में अवकाश रहेगा। इसकी घोषणा उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से की गई है, जिसके मद्देनजर सोमवार को प्रदेश में सभी स्कूल व अन्य दफ्तर बंद रहेंगे।

भारत पहुंचने पर फफक-फफक कर रो पड़े अफगानी सांसद, बोले- हमारे अफगानिस्तान में सब खत्म हो गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान में तालिबान के कब्जे के बाद से बदतर हुए हालातों के मद्देनजर सभी देश अपने-अपने नागरिकों को वहां से निकालने में जुटे हुए हैं। इसी कड़ी में अफगानिस्तान के काबुल से उड़ान भरने वाला भारतीय वायु सेना का विमान आज गाजियाबाद में हिंडन बेस पर उतर गया। इसके साथ ही अफगानिस्तान में फंसे इन भारतीयों में चैन की सांस ली। बता दें कि हिंडन पर उतरे इस विमान में 107 भारतीय नागरिकों सहित 168 लोग सवार थे। इसी विमान से उतरे एक अफगानी सांसद नरेंद्र सिंह खालसा पत्रकारों से बातचीत में फफक कर रो पड़े। पत्रकारों नें जैसे ही उनसे पूछा कि एक सांसद के तौर पर अपने मुल्क को छोड़ना कितने दर्द की बात है। इसके जवाब देने से पहले खालसा फूटकर रोने

लगे। इसपर पत्रकारों ने ढांढस बंधाते हुए कहा- आप जाएंगे एक दिन अपने घर, रोइये मत...। फिर खालसा ने कहा कि यही तो रोना है, जिस अफगानिस्तान में हम पीढ़ियों से रहे रहे हैं वहां ऐसा नहीं देखा था। सब कुछ खत्म होकर जीरो हो गया और 20 साल जो सरकार बनी वह खत्म हो गई। खालसा लाख कोशिशों के बाद भी अपने आंसु नहीं रोक पा रहे थे। बता दें कि अब तक काबुल से लगभग 300 नागिरकों को वापस लाया जा चुका है।

वाराणसी में गुब्बारा गैस सिलेंडर फटने से दो की मौत, चार घायल

वाराणसी (एजेंसी)। वाराणसी में गुब्बारा भरने वाला सिलेंडर फटने से दो लोंगो की मौत हो गयी जबकि 4 लोग घायल हो गए। घायलों में तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। घायलों की उंगलियां और पैर के हिस्से तक उड़ गए हैं। हादसा गंगा पार रामनगर के पास सुजाबाद बहादुरपुर चौराहे के समीप पोलाव शहिद मजार के पास हुआ।धमाका इतना तेज था कि एक किलोमीटर दूर तक आवाज सुनायी दी। आदमपुर क्षेत्र निवासी गुब्बारे वाला बीते कई महीनों से सुजाबाद बहादुरपुर के समीप स्थित मजार के पास सिलेंडर के साथ गुब्बारा बेचने का कार्य करता था। रविवार की शाम भी वह गुब्बारा बेच रहा था। तभी तेज आवाज के साथ सिलेंडर फट गया। सिलेंडर फटने से राखी बाँधकर वापस लौट रही गीता देवी (45), कल्लू (32), अलिया (5), बबलू(30), नवीन(24) चपेट में आ गए।

चैन की सांसः काबुल से भारत पहुंचे 107 भारतीय नागरिक, हिंडन में उतरा विमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वायु सेना का ण्-17 विमान जिसने आज सुबह अफगानिस्तान के काबुल से उड़ान भरी वह गाजियाबाद में हिंडन ध्ँ बेस पर उतर गया है। इसके साथ ही अफगानिस्तान में फंसे इन भारतीयों में चैन की सांस ली। बता दें कि हिंडन पर उतरे इस विमान में 107 भारतीय नागरिकों सहित 168 लोग सवार थे। गौरतलब है कि अफगानिस्तान में तालिबान के कब्जे के बाद से बदतर हुआ हालातों के मद्देनजर सभी देश अपने-अपने नागरिकों को वहां से निकालने में जुटे हुए हैं। अफगानिस्तान में फंसे भारतीयों की सुरक्षित वापसी के लिए भारत को प्रतिदिन दो उड़ानें संचालित करने का अप्रूवल दे दिया गया है।

सरकारी सूत्रों ने बताया कि काबुल हवाई अड्डे से दो भारतीय

विमानों को संचालित करने की अनुमति दी जाएगी। 15 अगस्त को अफगानिस्तान पर कब्जा जमाने के बाद काबुल के हामिद करजई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के संचालन और नियंत्रण की जिम्मेदारी अमेरिकी और उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) बलों को दी गई है। उनके द्वारा कुल 25 उड़ानें संचालित की जा रही हैं, क्योंकि वे वर्तमान में अपने नागरिकों, हथियारों और उपकरणों को निकालने पर ध्यान केंद्रित कर रहे है। बता दें कि अफगानिस्तान पर 20 साल के बाद एक बार फिर तालिबान का कब्जा हो गया है। उसने देश के राष्ट्रपति भवन पर भी कब्जा जमा लिया है। राष्ट्रपति अशरफ गनी ने तालिबान को सत्ता सौंप दी है। सूत्रों के मुताबिक, नई अंतरिम सरकार के अंतरिम प्रमुख के रूप में अली अहमद जलाली का नाम सबसे आगे चल रहा है। राष्ट्रपति गनी ने देश छोड़ दिया है।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया प्रेम का त्यौहार रक्षाबंधन पर्व

मेरे चंदा मेरे भैया मेरे अनमोल रतन तेरे बदले में जमाने में कोई चीज नही

बहन ने भाई की कलाई पर राखी बांधकर भाई का मुंह मीठा कराती

सहसो : भाई की कलाई में राखी बांधने से पूर्व तिलक लगाती हुई।

शंकरगढ़ में बहन भाई की आरती उतारतीं

रक्षा पर्व पर भाइयों ने बहनों को उपहार के साथ पेड़ भी दिये

बहनों को उपहार के साथ ही पौधे भेंट कर पेश किया मिशाल

घूरपुर। घूरपुर क्षेत्र में कुछ भाईयो ने रक्षाबंधन पर एक नए अभियान की शुरूआत कर मिशाल पेश किया है। आज तक आपने सुना होगा कि रक्षा बंधन के मौके पर भाई बहन को उपहार देते हैं लेकिन घूरपुर के दो गांवो में भाइयों ने उपहार के साथ ही बहनों को एक एक पौधा भेंट किया है। साथ ही भाइयों ने पौधे की रक्षा देखभाल अपने भाई की तरह और पर्यावरण संरक्षण और सुरक्षा करने की शपथ भी दिलाई है। मनकवार कोयली तारा गांव के अनिल कुमार पटेल, उमरी के अर्जुन सिंह पटेल दोनों इलाहाबाद विश्वविद्यालय से परास्नातक हैं।इस बार रक्षाबंधन पर अपनी बहनों को उपहार के साथ ही पौधे भेंट किए साथ ही अपने भाई के तरह ही प्यार दुलार और सुरक्षा करने जैसे ही पौधों की भी रक्षा और संरक्षण का संकल्प दिलाया। बोले कि पर्यावरण प्रदूषित हो रहा हैं साथ ही बहुतायात मात्रा मे पेड़ो की कटाई की जा रही हैं जो निकट भविष्य मे काफी चुनौतियों को जन्म देंगी जिसका प्रभाव काफी नुकसानदायक होगा इसीलिए शादी समारोह, जन्मदिन इत्यादि अवसरों पर फलदार एवम छायादार पौधों को भेंट करने की परम्परा विकसित करनी होंगी। रक्षा बंधन पर्व पर हर भाई अगर अपने अपने बहनों को उपहार के साथ ही एक एक पौधे भेंट कर पेड़ में बदल दे तो पर्यावरण शुद्ध हो जायेगा और जीवन भी सुरक्षित हो जायेगा।इस अवसर पर इलाहबाद विश्वविद्यालय की ही एम. ए. की छात्रा सुस्मिता पटेल एवम श्वेता पटेल नें इस पहल की स्वागत किया। बहन श्रेया पटेल, साक्षी पटेल, ममता पटेल, ऋषभ पटेल ने भाईयो से उपहार के साथ ही भेंट मिले पौधे को अपने भाईयो की तरह ही देखभाल व सुरक्षा का संकल्प लिया। भाईयो द्वारा इस पहल की क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

भाइयों के कलाई पर राखी बांधकर लंबी उम्र की कामना

करछना। रविवार को भाई बहन के पारंपरिक अटूट प्रेम , स्नेह व विश्वास के प्रतीक रक्षाबंधन पर्व हर्षोल्लास के साथ पारम्परिक तरीके से मनाया गया। मुहूर्त के अनुसार बहनों ने भाइयों को तिलक लगाकर आरती उतारी और बाद में राखी कलाई में बांधकर लम्बी उम्र की कामना की। वही भाइयों ने अपनी बहनों को सार्मथ्य अनुसार उपहार और नकद राशि भेंट कर रक्षाबंधन पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया। करछना क्षेत्र के बसरिया, वीरपुर, कटका, भीरपुर, कौवा, घटवा आदि विभिन्न बाजारों में शनिवार देर शाम से राखी व मिठाइयों की दुकान सज गई थी। जहां रविवार भोर से ही बाजारों में राखियां, नारियल, मिठाई और उपहार की दुकानों पर खरीदारी करने को लेकर लोगों की भीड़ रही। दुकानों पर सजी रंग बिरंगी राखियां बहनों को खूब भाई और जमकर खरीदारी की।

नन्हें भाई को राखी बांधती बहन

भाई की कलाई पर राखी बांध की दीघार्यु होने की कामना

राख बांध भाई की लम्बी उम्र की कामना किया

घूरपुर। भाई-बहन के प्यार का पर्व रक्षाबंधन घूरपुर क्षेत्र में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बहनों ने भाई की कलाई पर राखी बांध दीघार्यु होने की कामना के साथ रक्षा का वचन लिया। वहीं, भाईयों द्वारा बहनों को सुरक्षा का वचन देने के साथ उपहार भेंट किया गया। रक्षाबंधन को लेकर सुबह से ही भाई-बहन खासकर छोटे-छोटे बच्चे विशेष उत्साहित थे।

जसरा में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया राखी पर्व

भाई की कलाई पर राखी बांधती बहन

जसरा। भाई-बहन के प्यार का त्योहार रक्षाबंधन रविवार को बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। भाइयों ने बहनों से कलाई पर रक्षासूत्र बंधवाकर विशेष तोहफा भेंटकर कर सदैव उनकी रक्षा का संकल्प लिया। वहीं बहनों ने भाइयों के लंबी उम्र की कामना की। जसरा सहित गांव के प्रमुख तिराहों-चौराहों पर मिठाई व रंग-बिरंगी राखियों की दुकानें सजी रहीं। दिनभर रक्षा बंधन पर्व से संबंधित गीत बजते रहे। खराब मौसम होने के बावजूद भी पर्व को लेकर जसरा व आस पास के गांवों में गजब का उत्साह देखने को मिला। महिलाएं व युवतियां भींगते हुए मायके जाकर अपने भाइयों को राखी बांधीं। जसरा बाजार सहित बुदांवा, अमरेहा, खटंगिया, दौना, मरुआ, पचखरा, तातारगंज, रेरा, गड़रा आदि गांवों में यह पर्व बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। वहीं गांव के प्रमुख तिराहों-चौराहों पर मिठाई व राखियों की दुकानें सजीं रहीं।

रक्षाबंधन के पर्व पर बहनों ने बांधी राखी

नन्हीं गुडिया भी अपने भाई को राखी बांधी

जारी। कौंधियारा क्षेत्र के जारी बाजार सहित सभी क्षेत्रों में रक्षाबंधन बड़ी ही धूमधाम से मनाया गया जिसमें बहनों ने भाई की हाथ कलाई में राखी बांधकर राखी के पर्व पर स्नेह प्यार बांटा बहनों ने भाइयों का मुंह मीठा कराया और भाइयों ने अपने भाई होने का कर्तव्य निभाने की प्रतिज्ञा ली और सदा अपनी बहनों का रक्षा का वचन लिया रक्षाबंधन त्यौहार पर भाई को कलाई में धागा बांधकर बहनों ने भाई के कलाई को अपने पर होने के लिए वचनवद्व हुई।

रक्षाबंधन पर्व पर दिन भर बाजार रहे गुलजार

सहसों। रक्षाबंधन के पवित्र त्यौहार पर क्षेत्र के सभी बाजारों में दिन भर महिलाओं की खरीदारी से बाजारों में चहल-पहल से बाजार रहे गुलजार एवं पूरा दिन रौनक बना रहा। वहीं पर बरसात न होने के कारण दुकानदारों की भी चांदी रही। मिठाई की दुकान रक्षा, रक्षा सूत्र की दुकान के साथ फल फूल की दुकानों पर भी लोगों की भारी भीड़ देखी गई। क्षेत्र में रक्षाबंधन के पर्व पर सड़कों पर सुबह से ही दो पहिया, चार पहिया वाहनों का आने जाने वालों का ताता लगा। तथा पेट्रोल पंप पर पेट्रोल लेने के लिए लोग लाइन में लगे रहे।

संसू बाजार सहित क्षेत्र के बगई चौराहा, चिरौरा चौराहा, रामनगर , तकिया चौराहा, गारापुर आदि बाजारों में मिठाई की दुकानों तथा रंग बिरंगी सजी राखियों की दुकानों पर अच्छी भीड़ भाड़ देखी गई। महिलाएं उत्साह पूर्वक भाई की कलाई में रक्षा सूत्र बांधने के लिए वाहनों से देर शाम तक भाई के घर पहुंचती रहीं।

बहनों के प्रेम से सजी भाइयों की कलाई

शंकरगढ़,प्रयागराज। भाई और बहन के प्रेम का प्रतीक रक्षाबंधन का पर्व रविवार को पूरे जनपद में धूमधाम के साथ मनाया गया। बहनों के प्रेम के प्रतीक रंग-बिरंगी राखियों से भाइयों की कलाई सज गई। दिन भर शुभ मुहूर्त होने के कारण लोगों ने अपनी अपनी सुविधा के अनुसार रक्षाबंधन का पर्व मनाया। राखी बंधवाने के बाद भाइयों ने भी यथाशक्ति बहनों को उपहार प्रदान किया और रक्षा का संकल्प लिया। रविवार को सुबह से ही बाजारों और सड़कों पर चहल-पहल दिखने लगी और यह क्रम दिन भर चला। जनपद के यमुनापार की सभी प्रमुख बाजारों में लोगों की भारी भीड़ देखने को मिली। राखी और मिठाई की दुकानों पर दिनभर लोगों की कतार लगी रही। बहनों ने रक्षाबंधन पर्व पर राखी बांधने से पहले रक्षा का एक धागा भगवान को भी समर्पित किया। इसके पश्चात भाई को तिलक कर राखी बांधी और मिठाई खिलाकर भाई-बहन के रिश्ते को मजबूती प्रदान की। यमुनापार की प्रमुख बाजारों में बारा, जसरा, लोहगरा, नारीबारी और शंकरगढ़ में राखी और मिठाई की दुकानों पर दिनभर खरीदारी का दौर चला। लोगों की आवाजाही से सड़कों पर जाम की स्थिति भी बनी रही। जाम को समाप्त करवाने में मुकामी पुलिस भी डटी रही।शंकरगढ़ बाजार के मिष्ठान विक्रेता रतन केसरवानी,सुरेश केसरवानी,संतराम गुप्ता आदि ने बताया कि इस बार रक्षाबंधन में दुकानदारी ठीक ठाक रही।रक्षाबंधन में प्रतापगढ़ और हनुमानगंज से शंकरगढ़ आई सुमन केसरवानी, विनीता केसरवानी, रेखा केसरवानी, नीलू केसरवानी, सौम्या और कुसुम केसरवानी आदि ने बताया कि हर बार की तरह इसबार भी शंकरगढ़ आकर अपने भाईयों को राखी बांधी और हर्षोल्लास से त्योहार मनाया।

जसरा में रक्षाबंधन पर लगा भीषण जाम,यात्री हलाकान

जसरा, प्रयागराज। प्रयागराज-बांदा राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित जसरा रेलवे फाटक पर डबल रूट होने से बार बार फाटक बंद होने के कारण फाटक के दोनों ओर वाहनों के बेतरतीब खड़े हो जाने से फाटक खुलने पर वाहनों का आवागमन पूरी तरह से बाधित हो जाता है। जिससे घंटों लोगों को परेशान होना पड़ता है। वहीं रक्षाबंधन पर भाइयों को राखी बांधकर वापस जा रहीं महिलाएं भी जाम में घंटों फंसी रहीं। जसरा रेलवे फाटक पर डबल ट्रैक के होने के कारण फाटक के जल्दी जल्दी बंद होने से फाटक के दोनों ओर वाहनों की तीन तीन कतारों में खड़े होने से पैदल व दोपहिया वाहनों के निकलने की भी जगह नहीं रहती। रविवार की शाम से ही फाटक के दोनों ओर वाहनों की लम्बी कतारें लगी रहीं। बाजार के ब्यापारियों की दूकानदारी भी नहीं हो पाती है। इस संबंध में क्षेत्रीय ग्रामीणों में जसरा प्रमुख अजीत सिंह, राजाबाबू पाठक,बब्बन सिंह, सत्येंद्र सिंह,आदित्य नारायण शुक्ल आदि लोगों ने सरकार से रेलवे फाटक पर ओवरब्रिज बनाए जाने की मांग की है। इसी तरह भाजपा के वरिष्ठ नेता राजेश जायसवाल, ब्यापार सभा के जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र केसरवानी, सचिन श्रीवास्तव, राजू केसरवानी, शत्रुघ्न केसरवानी बाबा,बच्चा केसरवानी आदि ने कहा कि बेतरतीब वाहनों के सड़क पर खड़े होने से वाहनों के निकलने में परेशानी होती है। अगर प्रशासन किसी तरह का हल खोजे तो परेशानी से छुटकारा मिल सकता है।

जसरा में राखी पर्व जाम की स्थिति से लोगों को हुई परेशानी

1- रक्षाबंधन पर नहीं निकल पा रहीं राखी बांधकर लौट रही महिलाएं

जसरा रेलवे फाटक पर दूर दूर से रक्षाबंधन पर बहने अपने भाइयों के दीघार्यु के लिए राखी बांधकर वापस जाते समय भीषण जाम में फंसने के कारण उन्हें घंटों फंसना पड़ा।

2- विधायक बारा ने दिया था आश्वासन

इस बावत कई बार क्षेत्रीय विधायक से भी बात किया गया लेकिन इसका हल नहीं निकल रहा है। क्षेत्रीय जनता के साथ ही दूर दूर के लोगों को जाम से भारी जलालत झेलनी पड़ती है।

3- आखिर कब तक जाम के झाम में फंसना पड़ेगा जसरा बाजार सहित आस पास के लोगों का कहना है कि कब तक फाटक पर ऐसे ही घंटो खड़ा रहना पड़ेगा। जब कि हर जगह रेलवे फाटक पर ओवर ब्रिज बन गया है। लेकिन जसरा फाटक के जाम के झाम से पता नहीं कब छुटकारा मिलेगा।

हाइवे पर संदिग्ध परिस्थितियों में आधा दर्जन से ज्यादा गायों की मौत

अखंड भारत संदेश

पुलिस की मौजूदगी में हुआ अंतिम संस्कार

मोहिद्दीनपुर ढाबा हाइवे के पास संदिग्ध अवस्था में मृत गायें

उतराव। उतरांव थाना क्षेत्र के मोहिद्दीनपुर पटेल ढाबा हाईवे के पास रविवार सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में 7 गायों की मौत हो गई हैं। वही मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो सका। मरी हुई गाय हाईवे के किनारे लाइन से दिखी। फिर हाल यह जांच का विषय है। एक तरफ प्रदेश सरकार गायों के लिए करोड़ों अरबों रुपए की लागत में जगह जगह पर गौशाला का निर्माण कराया गया है। वही गायों के लिए खाने पीने का भी प्रबंध किया गया है। फिर भी देखा जाता है कि सड़कों पर अक्सर गाये मर रही है। रविवार सुबह हाईवे पर मरी हुई 7 गाय का कारण स्पष्ट नही दिखाई दे रही है कि यह दुर्घटना से मरी है या फिर किसी अन्य कारण से मरी है। स्थानीय लोगों से पूछताछ में किसी को कोई जानकारी नहीं है। सूचना उतरांव पुलिस को दी गयी तो एसआई विनोद कुमार दिनकर कांस्टेबल सुब्बा राजभर,आनन्द कुमार सिह,और जिला पंचायत सदस्य अशोक केशरवानी ने पहुचकर जेसीबी की सहायता से गड्ढे खुदवाकर फूल माला चढ़ाकर गायों का अंतिम संस्कार कराया गया। फिर हाल 7 गांयो की मौत पर जिला पंचायत सदस्य अशोक केसरवानी ने कहा आसपास के ग्रामीणों से पता चला गायों की मौत दुर्घटना से हुई है। पुलिस ने मानवता का परिचय देते हुए सभी गायों का अंतिम संस्कार किया गया।

नहीं रहे लेड़ियारी के बड़कऊ सिंह पूर्व प्रधान

लेड़ियारी। तहसील कोरांव के ग्राम पंचायत लेड़ियारी के पूर्व ग्राम प्रधान बड़कऊ सिंह का रविवार को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। ग्राम पंचायत लेड़ियारी के पूर्व प्रधान मानिक लाल सिंह उम्र 63 वर्ष की तवियत शनिवार को खराब हुई ।उनके पुत्र वर्तमान प्रधान रवि सिंह प्रयागराज इलाज कराने के लिए लेकर गये लेकिन डाक्टरों ने जबाब दे दिया।परिवारी जन लखनऊ लेकर गये जहाँ पर रविवार सुबह छ बजे मौत हो गई।

ग्राम पंचायत लेड़ियारी के मानिकलाल सिंह उर्फ बड़कऊ सिंह सन्1989 से 1995 ई.तक तथा उनके नेत्रत्व में उनकी माता सन् 1995 ई.से 2000 तक ग्राम प्रधान रहे। पुनः सन् 2000से 2005 तक प्रधान रहे वर्तमान में उनके पुत्र रवी सिंह लेड़ियारी बाजार के प्रधान है।उनके निधन से छेत्र में और लेड़ियारी बाजार में शोक की लहर है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से पत्नी की मौत के बाद लगी लोगों की भीड़

अज्ञात वाहन की टक्कर से पत्नी की मौत, पिता और दो बच्चे घायल

उतरांव। उतरांव थाना क्षेत्र के समोधीपुर गांव निवासी विनोद कुमार वर्मा अपने पत्नी और दो बच्चे के साथ ससुराल जा रहे थे बताया जाता है कि रक्षाबंधन के पर्व पर रविवार दोपहर विनोद कुमार अपनी पत्नी और प्रिंस ,निशा दो बच्चों के साथ मोटरसाइकिल से प्रयागराज को निकले थे।लेकिन सहसो के बगाईखुर्द के पास किसी अज्ञात वाहन ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी मौके पर ही विनोद कुमार की पत्नी जूहीचन्द्रा 35 की मौके पर ही मौत हो गयी वही उनके दो छोटे बच्चे प्रिंस और निशा पति विनोद कुमार घायल हो गए।वही जूहीचन्द्रा की मौत की सूचना गांव में आग की तरह फैल गयी वही घायल विनोद कुमार और बच्चों का एक निजी अस्पताल में इलाज के लिए भेजा गया मृतक जूहीचन्द्रा का शव एम्बुलेंस वाहन से घर लाया गया शाव घर पर पहुचते ही परिवार वाले का रोरोकर बुरा हाल है।

पाक्सो एक्ट का वांछित अभियुक्त पुलिस की गिरफ्त में

पाक्सो एक्ट का वांछित पुलिस की गिरफ्त में

अखंड भारत संदेश

करछना। थाना क्षेत्र के मेदनी सिंह का पूरा गांव निवासी एक युवक को करछना पुलिस ने कौवा बाजार से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया, पुलिस सूत्रों के मुताबिक मेदनी सिंह पूरा गांव निवासी अरबिंद कुमार पटेल पुत्र भोला नाथ पास्को एक्ट सहित कयी धाराओं का वांछित अभियुक्त था जो काफी दिनों से पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया था, मुखबिर की सूचना पर करछना पुलिस एस एस आई निशार अहमद अपनी टीम के साथ उसे कौवा बाजार से गिरफ्तार कर लिया है, जिसको विधिक प्रक्रिया की औपचारिकता करते हुए जेल भेज दिया गया है।

पूर्व सीएम के निधन पर शोक एवं भावभीनी श्रद्धांजलि

सहसों। भारतीय जनता पार्टी गंगापार मंडल सहसों कार्यालय में रविवार को मंडल अध्यक्ष अनिल सरोज की अध्यक्षता में एक शोक सभा की बैठक आहुति की गई । जिसमें भारतीय जनता पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री पूर्व राज्यपाल 89 वर्षीय कल्याण सिंह जी के लम्बी बीमारी से निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उनके छायाचित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। बैठक में मौजूद वीरेन्द्र बहादुर सिंह अध्यक्ष भूमि विकास बैंक फूलपुर एवं पूर्व जिला उपाध्यक्ष भाजपा गंगापार ने कहा कि श्री कल्याण सिंह के निधन से भाजपा को एक अपूरणीय क्षति हुई है उनका जगह इस लोकप्रिय राजनीतिक सफर में कोई नहीं ले सकता। जो अयोध्या आंदोलन के नायक रहे ऐसे बेबाक महान एवं कट्टर हिंदूवादी नेता थे संगठन और देश में अपनी एक ख्याति अर्जित किया। वहां पर उपस्थित विपेन्द्र सिंह पटेल ब्लॉक प्रमुख फूलपुर ने कहा कि उनके जैसा निडर हिंदुत्ववादी छवि के नेता मिलना इस राजनीति में मुमकिन नहीं है जिसकी भरपाई नहीं की जा सकती । इस अवसर पर वहां पर उपस्थित लोगों ने 2 मिनट का मौन रखकर मृतक आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की। शोक संवेदना एवं श्रद्धांजलि देने वालों में प्रमुख रूप से अमरनाथ तिवारी, अरुणेंद्र यादव ब्लॉक प्रमुख बहादुरपुर, मंडल महामंत्री पवन शुक्ला व संजय सिंह, जितेंद्र पटेल, महेश सिंह, वरिष्ठ नेता चंद्रेश केसरवानी, प्रमोद शुक्ला, रंजना सिंह परिहार, लक्ष्मी सिंह, दया सिंह आदि लोग उपस्थित रहे।

पुलिस चौकी प्रभारी ने गरीबों के बीच पहुँचकर बांटी मिठाईया

अखण्ड भारत संदेश

गरीब बस्ती में जाकर मिठाई बांटते चौकी प्रभारी

सिरसा/मेजा। प्रयागराज मेजा थाना क्षेत्र में रक्षाबंधन त्यौहार को लेकर जहां हर तरफ खुशी का माहौल है लोग राखी व मिठाईयां खरीद रहे हैं। वहीं गरीबों को ध्यान मे रखते हुए पुलिस चौकी प्रभारी ने गरीबों के बीच पहुंचकर सैकड़ों गरीबों व बच्चों मे मिठाई वितरित किया। मिठाई पाकर बच्चों के चेहरे खिल गए।

बता दें कि रविवार को रक्षाबंधन के दिन मेजा थाने के कोहड़ार पुलिस चौकी प्रभारी विनोद कुमार सिंह ने चौकी परिक्षेत्र के कई गांवों मे गरीबों के बीच पहुंचकर सैकड़ों गरीबों व बच्चों में मिठाई वितरित किया। देखा जाए तो जहां त्यौहार को लेकर लोगों मे काफी उत्साह है। वही खुशी गरीबों व बच्चों मे देखने के लिए चौकी प्रभारी ने क्षेत्र मे मिठाई वितरित किया। चौकी प्रभारी के इस सराहनीय कार्य से क्षेत्र के लोगों में काफी खुशी है। लोगों ने सच्चे दिल से दुआएं दी।

खबर संक्षेप

जर्जर मकान का छत गिरने से महिला समेत दो घायल

नैनी। कोतवाली क्षेत्र के छिंवकी गांव के पास एक मोबाइल टॉवर के समीप वर्षों पुराना जर्जर मकान का छत ढह गया। जिसमे दबकर एक बुजुर्ग महिला समेत दो लोग घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अरैल मोड़ के समीप स्थित एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया है। नैनी कोतवाली क्षेत्र के छिंवकी गांव मे लगे एक मोवाइल टॉवर के बगल मे रहने वाली उर्मिला देवी (55) पत्नी राम निवास का मकान हैं। मकान काफी पुराना और जर्जर हालत में है। लगातार दो दिनों से हो रही बारिश के की वजह से रविवार को ढह गया। जिसमें उर्मिला देवी व ऋषि गौतम दब गए। छत गिरने की आवाज सुनकर आस पड़ोस के लोग एकत्र हो गए। वहीं सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और पड़ोसियों की मदद से दोनों को बाहर निकालते हुए इजाल के लिए अरैल मोड़ स्थित एक प्राइवेट अस्पताल ले गए। जहां दोनों का इलाज जारी है।

गोल्हैया माइंस की खदान में मिले चार शव आत्महत्या की आशंका

अपने जान की बाजी लगाकर एसओ मनीष त्रिपाठी,सिपाही संतोष मिश्रा ने ग्रामीणों की मदत से चारों शवों को खोजकर खदान से निकला

मृत शवों को माइंस की खदान से बाहर निकालती पुलिस व अन्य

अखंड भारत संदेश

लालापुर। थाना क्षेत्र एक सप्ताह पूर्व आये थानाध्यक्ष मनीष तिवारी के लिए चुनौती भरा बीत रहा है।शनिवार को नगरवार गांव में एक हत्या हुई उसके दूसरे दिन रविवार को खदान में एक साथ चार शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गयी है।बसहाई गांव निवासी शिवकरन यादव की पत्नी रेनू अपने तीन बच्चों के संग गांव के कुछ दूर स्थित एक खदान में जाकर आत्महत्या कर लिया।बता दें कि लालापुर थाना क्षेत्र के बसहाई गांव निवासी शिव करन यादव की पत्नी रेनू 35 वर्ष अपनी पुत्री कल्पना 15 वर्ष,सरोज उर्फ कल्लो 13 वर्ष व गोलू 12 वर्ष के साथ गोल्हैया माइंस की खदान में जाकर आत्महत्या कर लिया।ग्रामीणों की माने तो मृतक रेनू ने पति से शाम को फोन पर बात किया उसके बाद ही घर पर ताला बंद कर बच्चों के साथ घर से निकल गयी।किसी को कोई शंका ही नहीं थी की इस तरह का कदम उठा सकती है।रविवार सुबह गांव के लोग जब शौच के लिए खदान पर गए तो एक लाश पानी में उतरती देख ग्रामीणों को सूचना दिया।कुछ ही देर में थानाध्यक्ष मनीष तिवारी भी अपने हमराहियों के साथ पहुंच गये।ग्रामीणों ने शव की पहचान रेनू पत्नी शिवकरन यादव के रूप में किया।तब तक रेनू के परिजनों को सूचना दो गयी तो उसके ससुर व परिजन भी पहुंच तो बच्चों को साथ लेकर जाने की बात सामने आयी।थानाध्यक्ष ने खदान में पुलिसकर्मी व तैराक ग्रामीणों को उतरा तो दो शव कल्पना व सरोज उर्फ कल्लो और मिले।

शव मिलने की सूचना पर पहुंची पुलिस टीम व लोगों की भीड़

मृतक गोलू का शव दो घंटे तक खोजने के बाद मिला।मृत्तिका के पति शिव करन यादव पुत्र अमृत लाल यादव इलाहाबाद के एग्रीकल्चर में सिक्योरटी गार्ड की नौकरी करता है।एक वीडियो वायरल हुआ है जिसमे गोर लाल के ऊपर आरोप लगाने की बात कही जा रही है देखना ये की पुलिस इस घटना को कैसे सुलझती है।घर पर सिर्फ.माँ बाप और भाई रहते है।हृदय विदारक घटना की सूचना से गांव में हड़कम्प मच गया है।

गुरु ने ऐसा ज्ञान दिया....

आंख अंधी हो गई, कान बहरा हो गया, हाथ पैर लूला लंगड़ा हो गया

अखंड भारत संदेश

अपने इष्ट गुरुओं को प्रणाम करते स्वामी श्री योगी सत्यम

प्रयागराज। क्रियायोग आध्यात्मिक विज्ञान के माध्यम से जब मनुष्य सविकल्प समाधि की अवस्था में होता है, तो उस अवस्था में साधक इंद्रियातीत अनुभूति में स्थित रहता है तब उस अवस्था में इंद्रियां मन और बुद्धि की समस्त सीमित अनुभूतियों से परे रहता है ' सत्य को इंद्रिय , मन और बुद्धि के द्वारा नहीं जाना जा सकता है ' सत्य का ज्ञान प्राप्त करने के लिए इनके पर जाना पड़ता है, क्रियायोग ध्यान के द्वारा जब मनुष्य सिर रीड में स्थित दिव्य ज्ञान केंद्र को अलौकिक प्रकाश के जागृत होने पर साधक को अतींद्रिय अवस्था प्राप्त होती है,तब ऐसी अवस्था में वह बिना आंखों के देख सकता है, बिना कानों के सुन सकता है, बिना पैरों के चल सकता है, बिना कंठ के बोल सकता है तब वह दृश्य जगत के परे अलौकिक दृश्य जगत की अनुभूति कर लेता है , क्रियायोग विज्ञान के माध्यम से मनुष्य उस जगह पर पहुंच जाता है जहां पर समस्त पैगंबर देवी देवता ऋषि-मुनियों का वास होता है ' इस अवस्था में साधक काल की सीमाओं से परे होता है, सविकल्प समाज की स्थिति में रहते हुए जब साधक इंद्रीय, मन,बुद्धि का प्रयोग करने में सफल हो जाता है , तो वह अवतारी पुरुष कहलाता है ' इस अवस्था में स्थित होने की निर्विकल्प समाधि कहते हैं ' निर्विकल्प समाधि ज्ञान की उच्चतम अवस्था है, इस अवस्था में साधक इच्छा मात्र से ब्रह्मांड में कहीं पर भी प्रकट व अदृश्य होने की क्षमता रखता है ' तब क्रियायोग ध्यान से समय व दूरी रूपी माया का लोप हो जाता है, तो क्रियायोग की भक्ति पूर्वक साधना से साधक अपनी उपस्थिति ब्रह्मांड के प्रत्येक कण में अनुभव कर लेता है ' यही सर्व व्यापकता कि अनुभूत है, जिसमें स्थित होना ही मोक्ष की प्राप्ति है ' मोक्ष का अभिप्राय शरीर छोड़कर किसी अदृश्य जगत में विलीन होना नहीं है बल्कि मोक्ष का अभिप्राय यह हैअनुभूतिजन्य ज्ञान के द्वारा अज्ञानता का क्रियायोग विधि से समापन हो।

दुष्कर्म पीड़ित महिला सिपाही के बयान के बाद होगी सिपाही की गिरफ्तारी

प्रयागराज। अपने ही विभाग की पुलिसकर्मी से दुष्कर्म के आरोपी सिपाही पंकज यादव का पता पुलिस तीन दिन बाद भी नहीं हासिल कर पाई है। उधर अब विवेचना में जुटी पुलिस पीड़िता का 164 का बयान दर्ज कराने की तैयारी में है। पुलिस का कहना है कि आरोपी के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। पीड़िता के बयान के बाद आरोपी की गिरफ्तारी की जाएगी।

एसएसपी कार्यालय में तैनात 22 वर्षीय महिला सिपाही ने वहीं पर तैनात पंकज यादव निवासी गाजीपुर पर दुष्कर्म के आरोप में केस दर्ज कराया है। आरोप है कि नशीली कोल्डड्रिंक पिलाकर पहले तो आरोपी ने उससे दुष्कर्म किया और फिर शादी का झांसा देकर मुंह बंद करा दिया। इसकेबाद भी उससे कई बार दुष्कर्म किया और पिछले दिनों शादी से मुकर गया। पीड़िता की तहरीर पर कर्नलगंज पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच में जुटी है। लेकिन अब तक आरोपी का सुराग नहीं मिला है। उधर पीड़िता का कोर्ट में बयान भी नहीं दर्ज हो सका है। कर्नलगंज पुलिस का कहना है कि अवकाश के चलते बयान नहीं हो सका है। जल्द ही उसका बयान दर्ज कराया जाएगा। इसके बाद आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उधर आरोपी के निलंबन की कार्रवाई भी अभी लंबित है। गौरतलब है कि कर्नलगंज पुलिस की ओर से इस संबंध में रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेजी जा चुकी है।

जेल में बंद भाइयों से बहनों ने मांगा गुनाहों से तौबा करने के लिए वचन

(सुनील गिरि)

कलाइयों में रक्षाबंधन बांधते ही छलक पड़े बहनों के आंखों से आंसू

प्रयागराज। केंद्रीय कारागार नैनी में बंद कैदियों व बंदियों को रविवार को उनकी बहनों ने रक्षाबंधन के पावन पवित्र पर्व पर कलाइयों में राखी बांधी और तोहफा के रूप में बहनों ने अपने भाइयों से गुनाहों को तौबा करने के लिए वचन मांगा। जिस पर भाइयों ने बहनों को वचन देते हुए गुनाहों से तौबा करने के लिए वादा किया।

प्रयागराज के केंद्रीय कारागार नैनी में प्रतापगढ़, भदोही, कौशांबी, मिर्जापुर, सुल्तानपुर अमेठी, बांदा, महोबा, फतेहपुर प्रयागराज समेत कई अन्य जिलों के रहने वाले हजारों लोग अपने गुनाहों की सजा काट रहे हैं। रविवार को भाई-बहन के पवित्र त्यौहार रक्षाबंधन पर्व पर बीते वर्ष की तुलना इस बार संख्या काफी कम रही, फिर भी जेल में बंद कैदियों व बंदियों को उनकी बहनों ने उन्हें राखी बांधने के लिए सुबह से ही जेल परिसर में पहुंचने का सिलसिला जारी हो गया। देखते ही देखते अपने भाइयों की कलाइयों पर राखी बांधने के लिए बहनों ने जारी शासन की ओर से कोविड-19, यानि करोना वायरस का पालन करते हुए कतारों में लग गई। तय समय अनुसार महिलाओं को अंदर मिलाई करने में कोई दिक्कत न हो इसके लिए जेल प्रशासन ने पहले ही तैयारी कर रखी थी। शुभ मुहूर्त में बहनों ने जेल में बंद अपने अपने भाइयों के माथे पर रोली चंदन का तिलक लगाते हुए कलाइयों पर रक्षा सूत्र को बांधा। कई बहनों ने तो जेल में बंद भाइयों के कलाइयों में राखी बांधे हुए उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े। बताते हैं कि जब भाइयों ने उन्हें तोहफा देने लगे तो बहनों ने अपने भाइयों से तोहफे के रूप में उनके गुनाहों से तौबा करने के लिए वचन मांगने लगी। जिस पर भाइयों ने बहनों की रक्षा करने के लिए संकल्प रक्षा लेते हुए बहनों से वादा किया कि वह गुनाहों से तौबा कर लेंगे और कभी भी गुनाहों की और दोबारा लौटकर नहीं जाएंगे। जेल में बंद अपने भाइयों को राखी बांध कर वापस घर लौट रही उर्मिला देवी, सीमा कुमारी, संगीता, सरोज, रंजना अनारकली, सुनीता व सुलोचना आदि महिलाओं ने बताया कि वह जेल में बंद अपने भाइयों से रक्षाबंधन पर्व पर उनसे गुनाहों से तौबा करने के लिए कहा गया, भाइयों ने भी गुनाहों से तौबा करने का वादा किया है। इस संबंध में वरिष्ठ जेल अधीक्षक प्रेम नाथ पांडेय ने बताया कि रक्षाबंधन के पवित्र पर्व के दिन कुल 344 परिजन आए हुए थे और 252 पुरुष बंदियों व कैदियों से उनकी मुलाकात कराई गई है। साथ ही कोविड-19 का पूरा का पूरा पालन कराया गया है। बहनों को कोई दिक्कत न हो इसके लिए जेल प्रशासन की ओर से समस्त उपाय भी किए गए थे, उन्हें अंदर प्रवेश कराने से लेकर बाहर निकलने तक के लिए अच्छी व्यवस्था की गई थी। यहां तक कि यदि बहनें जल्दबाजी में रक्षाबंधन से संबंधित कोई चीज यदि वह लाने में भूल गई है तो उन्हें मुहैया कराया गया है। बता दें कि बीते कुछ वर्ष पूर्व लगभग ढाई हजार महिलाओं ने अपने भाइयों के जेल में बंद कलाइयों में रक्षा सूत्र बांधे हुए थे, लेकिन बीते दो वर्षों के अंतराल कोविड-19 यानी कोरोनावायरस को देखते हुए इस बार मात्र 344 परिजनों ने ही अपने 252 भाइयों के कलाइयों पर रक्षा सूत्र बांधने में सफल रही। हालांकि जेल प्रशासन की ओर से किसी भी महिलाओं को कोई दिक्कत न हो उसका पूरा ख्याल रखा गया। यहां तक कि जिन महिलाओं के पास रक्षा सूत्र, रोली चंदन, टीका, मीठा न हो उसका भी इंतजाम जेल प्रशासन की ओर से किया गया था।

रेलवे क्रॉसिंग के पास से धरे गए बाइक चोर, मोटरसाइकिल बरामद

अखंड भारत संदेश

थाना शंकर गढ़ में पुलिस की गिरफ्त में चोरी की बाइक के साथ चोर

शंकरगढ़, प्रयागराज। अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत शंकरगढ़ पुलिस ने दो शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से चोरी की एक मोटरसाइकिल भी बरामद हुई है।

थानाध्यक्ष शंकरगढ़ कुलदीप कुमार तिवारी ने बताया कि वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस ने दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया। दोनों बिना नंबर की मोटरसाइकिल से यात्रा कर रहे थे। पूछताछ में दोनों ने गोलमोल जवाब दिया, तो कड़ाई से पूंछतांछ की गई। जिसमें पता चला कि उक्त मोटरसाइकिल चोरी की है।

एसओ ने बताया कि गिरफ्त में आए वाहन चोर दीपक पाल पुत्र स्वर्गीय राम राज पाल निवासी ग्राम पहाड़िया और कोचीन पुत्र गणेश निवासी रावण टोला कस्बा शंकरगढ़ के खिलाफ केस दर्ज कर विधिक कार्यवाही की जा रही है।पुलिस टीम की इस सफलता में उपनिरीक्षक अरविन्द कुमार यादव,का. जयकरन, विवेक आदि लोग रहे।

एसी बस में फ्री सफर के लिए लिया लखनऊ का टिकट, उतरीं कुंडा में

प्रयागराज। रक्षा बंधन के अवसर पर रोडवेज बसों में रविवार को हजारों महिलाओं ने फ्री में सफर किया। इस दौरान एसी बसों में सफर के लिए ज्यादा मारामारी रही। लखनऊ जाने वाली एसी बसों का निर्धारित स्टेशनों पर ठहराव होने की वजह से कुछ महिला यात्रियों ने लखनऊ का टिकट कंडक्टर से लिया, लेकिन जब बस चली तो उसमें से कुछ महिलाएं लालगोपालगंज उतरीं तो कुछ कुंडा में। इस दौरान रोडवेज द्वारा यात्रियों की भीड़ को देखते हुए दिन भर 130 अतिरिक्त बसों का भी संचालन किया।योगी सरकार सत्ता में आने के बाद से ही रक्षाबंधन पर महिलाओं को सरकार रोडवेज की सभी श्रेणी की बसों में फ्री सफर करवा रही है। रविवार को भी ऐसा ही हुआ। सिविल लाइंस बस स्टेशन पर लखनऊ जाने वाली एसी जनरथ बस में कुछ महिलाएं सवार हो गईं। एसी बस का स्टॉपेज ऊंचाहार, रायबरेली और लखनऊ होने की वजह से उन महिलाओं ने कहा कि उन्हें लखनऊ जाना है। महिलाओं को मैनुअली टिकट मुहर लगाकर दिया गया, लेकिन महिलाएं लालगोपालगंज और कुंडा में बस रुकवा कर उतर गईं।

लापता किशोर का मिला शव,आक्रोशित ग्रामीणों ने थाने का किया घेराव

अखंड भारत संदेश

मृतक की (फाइल फोटो)

हंडिया। हंडिया कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले कुराकाठ गांव में 2 दिन से लापता किशोर का आज सुबह बगहा में शव मिलने से हड़कंप मच गया, जिसके बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने थाने का घेराव कर दिया।

मिली जानकारी के अनुसार कुराकाठ गांव निवासी आरव यादव पुत्र शिव शंकर यादव उम्र करीब 21 वर्ष जोकि 20 अगस्त 2021 दिन शुक्रवार को शाम 7:00 बजे घर से सब्जी लेने के लिए हंडिया बाजार गया हुआ था लेकिन काफी देर तक जब किशोर वापस नहीं आया तो परिजनों ने फोन लगाया तो उसका मोबाइल बंद आ रहा था जिसके बाद किसी अनहोनी की आशंका में परिजनों ने रात 11:00 बजे हंडिया कोतवाली पहुंचे तो वहां से उन्हें खोजने के लिए बोल दिया गया और आसपास के सभी थानों पर सूचना दे दी गई,लेकिन अगले दिन शनिवार 21 अगस्त 2021 कि सुबह कुराकाठ गांव स्थित तालाब के पास किशोर की मोटरसाइकिल मिली तो हड़कंप मच गया परिजनों ने इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दिया मौके पर पहुंची हंडिया पुलिस ने खोजबीन शुरू कर दिया और आरव के मोबाइल नंबर का सीडीआर निकाला तो पता चला कि आरव के मोबाइल पर अंतिम काल शुभम उर्फ नान बाबू पुत्र राकेश कुमार निवासी ग्राम कुरा काठ का आया हुआ था पुलिस ने तुरंत शुभम उर्फ नानबाबू को गिरफ्तार कर कब्जे लिया और। पूछताछ शुरू कर दिया।

पूछताछ में टूट गया शुभम उर्फ नानबाबू, जुर्म किया कबूल

पुलिस ने शुभम उर्फ नामबाबू को गिरफ्तार कर जब सख्ती से पूछताछ किया तो शुभम टूट गया और उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया शुभम ने बताया कि आरव और उसके बीच है पुरानी खुन्नस थी जिसको लेकर उसने आरव को बुलाया और अपने चार अन्य साथी बबलू पुत्र दान बहादुर, राजा पुत्र तेज बहादुर, राम जी पुत्र राम सुमेर निवासी ग्राम बगहा थाना हंडिया जनपद प्रयागराज व रोहित पुत्र शिव चंद निवासी ग्राम कुराकाठ थाना हंडिया जनपद प्रयागराज के साथ मिलकर आरव की हत्या कर दिया और शव को ठिकाने लगा दिया।पुलिस ने शुभम के बताए हुए ठिकाने पर आज दिनांक 22/8/2021 की सुबह 5:00 बजे बगहा प्लांट के पास से आरव के शव को बरामद किया हंडिया पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।पुलिस ने बताया कि हत्या का मास्टरमाइंड रोहित पुत्र शिवचंद निवासी ग्राम कुराकाठ थाना हंडिया जनपद प्रयागराज है। हंडिया पुलिस ने सभी हत्या आरोपियों पर धारा 147,148, 302, 201 व 34 में मुकदमा पंजीकृत करते हुए हत्या में नामजद चार हत्या आरोपियों को जेल भेज दिया है वही अभी भी एक नामजद आरोपी फरार चल रहा है।

पंचायत उद्योग की जमीन को खाली कराने का शासन ने दिया निर्देश

अखंड भारत संदेश

शासन के निर्देश पर जिला पंचायत राज अधिकारी ने मामले की कराई जांच, क्षेत्रीय लोगों ने कहा खानापूर्ति कार्यवाही से नही चलेगा काम

प्रयागराज। पूरामुफ्ती थाना के ठीक सामने कई करोड़ कीमत की बेशकीमती पंचायत उद्योग की जमीन पर अतिक्रमण कारियों के अवैध कब्जा के मामले को शासन ने संज्ञान ले लिया है। शासन में पंचायत उद्योग की जमीन को कब्जा मुक्त कराने का निर्देश जिला पंचायत राज अधिकारी को दिया है। जिला पंचायत राज अधिकारी ने टीम भेजकर पंचायत उद्योग की जमीन पर कब्जे की जांच कराई है। शासन का निर्देश मिलते ही विभाग में हड़कंप मचा है लेकिन जिला पंचायत राज अधिकारी मामले में लीपापोती करने के मूड में दिख रहे हैं। स्थानीय लोगों ने पंचायत उद्योग की जमीन पर अवैध तरीके से कब्जा कर आलीशान मकान बना लिया है। पंचायत उद्योग की जमीन पर अवैध कब्जे को लेकर अखंड भारत संदेश समाचार पत्र में प्रमुखता के साथ खबर प्रकाशित की। उक्त खबर को शासन ने संज्ञान लेकर जिला पंचायत राज अधिकारी को कड़ी फटकार लगाते हुए तत्काल अतिक्रमण करियों के कब्जे से पंचायत उद्योग की जमीन को कब्जा मुक्त कराते हुए सरकार के खाते में जमीन वापस लेने को कहा लेकिन जिला पंचायत राज अधिकारी सिर्फ खाना पूर्ति तक ही सीमित रह गए और अवैध कब्जा धारकों से बची थोड़ी बहुत जमीन पर साफ - सफाई कराकर ईमानदारी का तमगा बटोर लिए हैं जिससे लोगों का कल्याण नहीं होना है। लोगों के बीच जिला पंचायत राज अधिकारी के प्रति भारी रोष व्याप्त है। सूत्रों की माने तो पूरामुफ्ती थाना के ठीक सामने पंचायत उद्योग की जमीन पर लगभग तीस वर्षों से अतिक्रमण करियों ने कब्जा करके रखा है लेकिन किसी भी जिला पंचायत राज अधिकारी ने पंचायत उद्योग की जमीन कब्जा मुक्त कराने की नहीं सोची क्योंकि उन्हें खुशामत करने के लिए अवैध कब्जा धारकों के द्वारा समय - समय पर रकम पहुंचाई जाती है जिसके कारण आज तक पंचायत उद्योग की जमीन अवैध कब्जा धारकों के चंगुल से मुक्त नहीं हो सकी है।

अराजकतत्वों ने ब्रम्हर्षि आश्रम में लगाई आग, कार सहित लाखों का सामान जलकर खाक

हंडिया। थाना क्षेत्र के धौरहरा गांव स्थित केवाई धाम के ब्रम्हर्षि आश्रम में शनिवार की देर रात अराजकतत्वों ने आग लगा दी। आग की लपटें और उससे निकलती आवाज से आश्रम परिसर में अफरा.तफरी मच गई। विकराल लपटों के चलते आश्रम का अधिकांश सामान तथा परिसर में खड़ी इनोवा कार जलकर नष्ट हो गई।

नगर पंचायत हंडिया के अधिशाषी अधिकारी टीएन चौबे ब्रम्हर्षि आश्रम के संस्थापक एवं पीठाधीश्वर हैं। आश्रम में संत समागम सत्संग एवम धार्मिक अनुष्ठान के आयोजन के चलते संत एवं श्रद्धालुओं का आवागमन लगा रहता है। शनिवार की रात पीठाधीश्वर सहित आश्रम में मौजूद लोग सो रहे थे। एक बजे के करीब पक्के कमरों के अलावां फूस व फंटी के सहारे निर्मित आश्रम से अचानक आग की लपटे निकलने लगी।

फिट इंडिया फ्रीडम रन में शूआट्स एनएसएस के युवाओं ने लिया बढ़चढ़ कर हिस्सा

अखंड भारत संदेश

नैनी, प्रयागराज। आजादी का अमृत महोत्सव भारत की स्वतंत्रता के गौरवशाली 75 वर्ष के कार्यक्रम के उपलक्ष्य में फिट इंडिया फ्रीडम रन कार्यक्रम में शूआट्स एनएसएस के छात्र-छात्राओं ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। कोआर्डिनेटर डा रोहित लाल ने बताया कि कार्यक्रम के अंतर्गत हाफ मैराथन प्रतियोगिता का आयोजन सैम हिगिनबॉटम कृषि, प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय (शूआट्स), प्रो राजेंद्र सिंह (रज्जू भैय्या) विश्वविद्यालय एवं इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में संगम किला पर से प्रारंभ हुआ। मुख्य अतिथि प्रोफेसर राजेंद्र सिंह (रज्जू भैय्या) विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर अखिलेश कुमार सिंह द्वारा प्रतिभागियों को हरी झंडी एवं फीता काटकर उद्घाटन किया गया। हाफ मैराथन प्रतियोगिता संगम किला से प्रारंभ होकर संगम किला रोड होते हुए किला चौराहा मेला क्षेत्र ग्राउंड होते हुए प्रथम मोड़ बंधवा रोड हनुमान मंदिर के आर्मी वर्कशॉप कहा कि शहीदों के सम्मान में सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि उनके द्वारा बताए गए विचारों को आत्मसात कर एक जिम्मेदार नागरिक बने। हाफ मैराथन की आगवानी गणतंत्र दिवस परेड राजपथ दिल्ली 2021 में प्रतिभाग कर चुकी एनएसएस स्वयंसेविका अदिति के साथ दीप्ति तिवारी इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने की। हाफ मैराथन कार्यक्रम के संयोजक डॉ उपेंद्र कुमार सिंह,;डॉ राजेश कुमार गर्ग एवं शूआट्स के कार्यक्रम समन्वयक डॉ सत्यम केसरी थे। डॉ सच्चिदानंद त्रिपाठी जिला नोडल अधिकारी राष्ट्रीय सेवा योजना,प्रयागराज भी उपस्थित थे। हाफ मैराथन प्रतियोगिता में छात्रों के समूह में पहला स्थान रविकांत पाल, द्वितीय स्थान रितिक निर्मल एवं चौथा स्थान अतुल सरोज इंद्रावास कुमारी पीजी कॉलेज आनापुर, प्रयागराज को, तृतीय स्थान नागेश राही बेला सिंह महाविद्यालय नैनी, प्रयागराज ने अर्जित किया जबकि छात्राओं के समूह में प्रथम स्थान रिया मेवालाल पीजी कॉलेज लालगोपालगंज, प्रयागराज को, द्वितीय स्थान ममता रामदुलारी बच्चू लाल पीजी कॉलेज अटराम पुर, प्रयागराज एवं तृतीय स्थान सपना सरोज मेवा लाल पीजी कॉलेज लालगोपालगंज, प्रयागराज ने अर्जित किया। सभी विजयी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र दिया गया। कार्यक्रम में करीब 250 छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने गंगा में लगाई आस्था की डुबकी

कालाकांकर के पवित्र गंगाजल में मनाया श्रावणी पर्व

परियावां, प्रतापगढ़। कालाकांकर में रक्षाबंधन व पूर्णिमा के पावन पर्व पर हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने पवित्र गंगाजल में आस्था की डुबकी लगाकर अपने पाप धोकर पुण्य के भागीदार बने। गंगा में डुबकी लगाने के बाद श्रद्धालुओ ने मां गंगा की पूजन अर्चन करने के बाद ठाकुर द्वारे व बूढ़े शिवलिंग मंदिर में पूजा पाठ किया और परिवार के सुख सम्रद्धि की कामना की। गंगा स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने रक्षाबन्धन के पर्व पर विभिन्न बाजारों कालाकांकर, आलापुर, नवाबगंज, परियावां, अंसारगंज, लवाना बाजार में खरीदारी की। इसी क्रम में मानिकपुर व हौदेश्वर नाथ धाम में पूर्णिमा के पर्व पर भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान कर परिवार के सुख सम्रद्धि की कामना किया। उधर पूर्णिमा के पर्व पर कालाकांकर के पवित्र गंगाजल में प्राचार्य अखिलेश त्रिपाठी ने अपने क्षेत्रीय ब्राह्मणों एवं आचार्यो के साथ श्रावणी का पर्व वेदो मंत्रोच्चारण ध्वनि साथ स्नान एवं पूजन के साथ मनाया। इस मौके पर आचार्य सन्त जीतलाल, श्याममूर्ति, रामनारायण, अनुज, हर्ष त्रिपाठी, विजय कांत, आकाश मणि मौजूद रहे। पूजन अर्चन के समस्त कार्य की ब्यवस्था चुनमुन मिश्रा द्वारा किया गया।

जिले में धूमधाम से मनाया गया रक्षाबंधन का त्योहार

जेल में बंदियों को रक्षा बांधने पहुंची बहनें

प्रतापगढ़। भाई बहन के प्यार का त्योहार रक्षाबंधन जिले भर में धूमधाम से मनाया गया। छोटे-छोटे बच्चों ने इस त्योहार को यादगार बनाने में आगे रहे। वहीं बहनें अपने भाईयों को राखी बांधने के लिये बसों व टेड्डनों से अपने-अपने भाई के पास पहुंची। बसों में महिलाओं की भीड़ आज ज्यादा थी क्योंकि प्रदेश सरकार ने रक्षाबंधन के त्योहार पर महिलाओं को निःशुल्क यात्रा की सुविधा दी थी।

जिला कारागार में बंदी लोगों को भी राखी बांधने उनकी बहनें जिला जेल में पहुंची थी। सुबह से ही जिला जेल में भीड़ देखी गयी। नगर में चौक स्थित आर्य समाज मंदिर में रक्षाबंधन के अवसर पर निर्वाचित प्रशासक रवि आर्य व प्रशासक मण्डल द्वारा हवन-पूजन करने के बाद रक्षा बंधन मनाया गया। इस अवसर पर विनय सिंह, राजेश खण्डेलवाल, राम कृपाल, जवाहरलाल, उमर, अभिषेक बर्नवाल, आदित्य, रानी सिंह, मोनी गुप्ता, वैष्णवी, इंशिता आदि

रक्षाबंधन पर श्रद्धालुओं ने बाबा धाम में टेका मत्था, बाजारें हुई गुलजार

लालगंज, प्रतापगढ़। रक्षाबंधन के त्योहार पर रविवार को बाबा घुइसरनाथ धाम समेत विभिन्न मंदिरों में श्रद्धालुओं ने भगवान का दर्शन पूजन कर कल्याण की कामना के साथ रक्षासूत्र समर्पित किए। बाबा धाम में सुबह से ही महिलाओं तथा श्रद्धालुओं ने बाबा का दर्शन पूजन कर उन्हे रक्षा सूत्र समर्पित कर मन्नतें मांगी। वहीं अन्य मंदिरों में भी रक्षाबंधन के दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने रक्षा सूत्र व फूल माला भगवान को समर्पित किया। इधर रक्षाबंधन का पर्व होने के कारण रविवार को भी बाजारों में खासी रौनक दिखी। मिठाई तथा रक्षा की दुकानों पर सुबह से ही भीड़ देखी गई। स्थानीय चौक पर त्योहार के कारण भीड़ के चलते नेशनल हाईवे पर कई बार यातायात भी प्रभावित हुआ नजर आया। पुलिस को भी यातायात नियंत्रण करने में दिनभर मशक्कत करते देखा गया।

उपस्थित रहे। उधर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जिले की विभिन्न शाखाओं पर रक्षाबंधन उत्सव कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर सदर खंड की कटरा शाखा पर रक्षाबंधन उत्सव में अपने विचार व्यक्त करते हुए विभाग सह संघचालक सीताराम केसरी ने कहा कि रक्षाबंधन का पर्व भारतीय संस्कृत में अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर विभाग सह संघ चालक सीताराम केसरी, विभाग प्रचारक प्रतोष, और जिला कार्यवाह डॉक्टर सौरभ पांडेय ने परम पवित्र भगवा ध्वज का पूजन कर रक्षा सूत्र बांधकर राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्य निर्वहन का संकल्प लें। कार्यक्रम का संचालन खंड कार्यवाह आशीष तिवारी ने किया। रक्षाबंधन

रक्षा सूत्र और उपहार पाकर खिले बच्चों के चेहरे

प्रतापगढ़। एलायंस क्लब इंटरनेशनल रक्षाबंधन के पावन पर्व पर आर्थिक दृष्टि से निर्भर परिवारों के बच्चों को सृजना कुटीर अजीत नगर में राखी बांधी गई और उपहार दिए गए जिससे बच्चों के चेहरे खिल उठे। बच्चों ने राखी के गीत सुनाए और राखी मनाने का कारण भी बताया। बच्चों को उपहार प्रदान करते हुए एलायंस क्लब के इंटरनेशनल कमेटी चेयरमैन ने कहा कि देश का प्रत्येक बच्चा देश की निधि है उनका संरक्षण होना चाहिए। लब्ध प्रतिष्ठ साहित्यकार डॉ दयाराम मौर्य रत्न ने कहा कि रक्षाबंधन हमें बहन-बेटियों के सम्मान का संदेश देता है। इस मौके पर पूनम गुप्ता, अमृतलाल, सिद्धांत शेखर, अक्षांश शेखर मौर्य, अरुश मौर्य, जितेंद्र कुमार, रेखा उमरवैश्य, अर्चना खंडेलवाल, रितिका मौर्य, अर्चना खंडेलवाल आदि लोग मौजूद रहे।

उत्सव पर अलग अलग स्थानों परप्रभाशंकर पाण्डेय, हरीश कुमार, रमेश त्रिपाठी, चिंतामणि द्विवेदी, सांसददिनेश गुप्ता हरिओम मिश्र आदि को संगम लाल गुप्ता, अशोक सिंह,रक्षाबंधन पर बहनें रक्षा सूत्र बांधी।

दाल व्यवसायी बनकर ठगी करने वाले दो अभियुक्त गिरफ्तार

पुलिस अधीक्षक द्वारा जिले में अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश लगाने हेतु निरंतर दिये जा रहे निर्देश के क्रम में थाना कोतवाली नगर के उ0नि0 धर्मेन्द्र सिंह मय हमराह द्वारा मुखबिर खास की सूचना पर जनपद के थाना कोतवाली नगर पर पंजीकृत मु0अ0सं0 681/2021 धारा 406, 419, 420 भादंवि जिसमें दो अभियुक्तों द्वारा दाल व्यवसायी बनकर एक दुकानदार से 30 हजार रूपये की ठगी की गई थी, को थाना क्षेत्र कोतवाली नगर के निर्मल तिराहा के पास से गिरफ्तार किया गया व उनके कब्जे से मुकदमें से संबंधित पांच हजार रूपये, एक मोबाइल फोन व घटना में प्रयुक्त

वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

प्रतापगढ़। थाना कोतवाली नगर से प्रभारी निरीक्षक रवीन्द्र नाथ राय मय हमराह द्वारा देखभाल क्षेत्र/चेकिंग के दौरान मुखबिर खास की सूचना पर थाना क्षेत्र के ग्राम रूपापुर से मु0अ0सं0 420/21 धारा 147, 148, 149, 302, 427, 34 भादंवि से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त राहुल शर्मा पुत्र उमाकान्त शर्मा निवासी रूपापुर थाना कोतवाली नगर जनपद प्रतापगढ़ को गिरफ्तार किया गया।

की गई एक स्कूटी बरामद की गई।

गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण संदीप यादव पुत्र राम मोहन यादव निवासी ओझला थाना कंधई व सुरेश कुमार तिवारी उर्फ बबलू पुत्र राम भरोसे तिवारी निवासी ताला थाना कंधई है। इनके पास से पांच हजार रूपये नकद, एक मोबाइल फोन, एक स्कूटी जिसका नम्बर-यूपी 72 एपी 0267 (घटना में प्रयुक्त) बरामद हुआ है। गिरफ्तार अभियुक्तों ने पूछताछ में बताया कि हम लोग अक्सर दाल व्यवसायी बनकर छोटे-मोटे दुकनदारों को कम कीमत में दाल देने का झांसा देकर उनके साथ ठगी करते हैं।

प्राध्यापक के पिता के निधन पर जताया शोक

प्रतापगढ़। एमडीपीजी कालेज के वाणिज्य विभाग के प्रभारी डा0 छविनारायण पाण्डेय के पिता का निधन हो गया। उन्होंने शुक्रवार की शाम अपने अंतू क्षेत्र के आवास पर अंतिम सांस ली। उनके निधन का समाचार सुनकर उनके परिवारजनों के शुभेच्छु तथा एमडीपीजी कालेज के प्राध्यापकगणों ने गहरा शोक व्यक्त किया है। बताया जाता है कि वह 98 वर्ष के होते हुए भी स्वस्थ थे। इधर कुछ दिनों से वह बीमार चल रहे थे जिसकी देखभाल डा0 छविनारायण के भाई और स्वयं छविनारायण किया करते थे।

पैदल मार्च कर एसपी ने लिया सुरक्षा का लिया जायजा

मातहतों को दिये निर्देश, लोग हुए चौकन्ने

प्रतापगढ़/पट्टी। रक्षाबंधन के दिन पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल ने शहर और पट्टी में पैदल मार्च किया और तैनात पुलिस कर्मियों को कडे निर्देश दिये। पुलिस अधीक्षक के साथ अडिशनल एसपी, सीओ और कोतवाल भी थे। शहर में एसपी के पैदल मार्च से लोग चौकन्ने थे।

बता दें कि शहर और जिले में आए दिन उचक्के छिनैती व लूट कर रहे हैं। इसको देखते हुए पुलिस अधीक्षक आज खुद स्वयं सड़क पर निकले। पट्टी संवाददाता के मुताबिक पट्टी नगर में उड़ैयाडीह मोड़ से कोतवाली पट्टी तक एसपी सतपाल अंतिल सीओ दलीप कुमार

सिंह, कोतवाल गणेश प्रसाद सिंह, पट्टी नगर एसआई गिरीश द्विवेदी सहित भारी फोर्स बल के साथ पैदल मार्च किया। उन्होंने कहा कि अपराध और अपराधियों को काबू करने के लिए हम बराबर प्रयत्नशील हैं। लोगों में सुरक्षा और सम्मान की भावना रहे लोग सुरक्षित महसूस करें इसलिए रक्षाबंधन के पर्व पर जनता के बीच होकर पैदल मार्च की है। उन्होंने पट्टी नगर वासियों को भाई बहन के अटूट प्रेम और विश्वास के प्रतीक रक्षाबंधन के पर्व की बधाई दिया और कहा कि पुलिस सदैव सेवा के लिए तत्पर है।

समय और इरादे के पक्के थे कल्याण सिंह

भाजपा कार्यालय पर शोक सभा में बोले लोग

प्रतापगढ़। भारतीय जनता पार्टी कार्यालय पर हिंदू हृदय सम्राट पूर्व मुख्यमंत्री पूर्व राज्यपाल राजस्थान कल्याण सिंह की शोक सभा आयोजित की गई। शोक सभा में जिलाध्यक्ष हरिओम मिश्र, सदर विधायक राजकुमार पाल मौजूद रहे। सदर विधायक राजकुमार पाल ने कहा कि आज हम सभी राजनीति के पितामह कल्याण सिंह भारतीय राजनीति को मूल्यों पर आधारित की। अवधेश मिश्रा ने बाबूजी के साथ बिताए गए जेलो मे बिताए संस्मरण से सभी कार्यकर्ता के बीच साझा किया। जिला उपाध्यक्ष राजेश मिश्रा राजन ने कहा कि रामजन्म भूमि आंदोलन को सार्थक करने वाले हमारे बीच नहीं रहे। पूर्व जिलाध्यक्ष गणेश नारायण मिश्र ने कहा कि हमने तीन प्रकार के कल्याण सिंह को देखा था। जिलाध्यक्ष हरिओम मिश्र ने कहा कि राम जन्मभूमि पर जो आज भव्य मंदिर का निर्माण हो रहा है, यह कल्याण सिंह मुख्यमंत्री ना हुए होते तो आज शायद यह संभव नहीं था। कार्यक्रम में केशरवानी महिला

पूर्व मुख्यमंत्री को कैबिनेट मंत्री ने अर्पित किया श्रद्धांजलि

पट्टी, प्रतापगढ़। ग्रामीण अभियंत्रण एवं समग्र ग्राम्य विकास मंत्री राजेंद्र प्रताप सिंह ने पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के निधन पर लखनऊ में उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया । कल्याण सिंह से कैबिनेट मंत्री मोती सिंह ने बहुत कुछ सीखा था राजनीति के शुरुआती दिनों में कल्याण सिंह के संरक्षण में रहकर राजनीतिक ककहरा उन्ही से सीखा उन्होंने कहा कि उनकी नीतियां हम सबके लिए प्रेरणादायक है जिसे हम कभी भूल नहीं सकते है।

कल्याण सिंह के निधन पर प्रमोद तिवारी व मोना ने जताया दुख

लालगंज, प्रतापगढ़। केन्द्रीय कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य प्रमोद तिवारी तथा कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के निधन पर गहरा दुख जताया हैं। रविवार को यहां जारी संयुक्त बयान में प्रमोद तिवारी ने कहा कि कई राज्यों के राज्यपाल और प्रदेश के मुख्यमंत्री रहते हुए कल्याण सिंह का व्यक्तित्व राजनीति में बहुत बड़ा था। उन्होने दिवंगत मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के निधन पर उनके परिजनों से भी फोनिक संवेदना जताई है। मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने यहां नेता द्वय का संयुक्त बयान जारी किया।

मोर्चा अध्यक्ष, चंद्रप्रकाश पाल, रामजी मिश्र जिला मंत्री, अवनीश सिंह रजत सक्सेना, गजराज सिंह, सुदीप पाण्डे, विक्रम सिंह, उदय शंकर मिश्र, अभिषेक वैश्य, राघवेंद्र शुक्ला आलोक गर्ग सहित प्रमुख लोग उपस्थित रहे। संचालन राजेश सिंह जिला महामंत्री ने किया।

1993 में बेल्हा आए थे कल्याण सिंह

प्रतापगढ़। मुख्यमंत्री पद छोड़ने के बाद 1993 में कल्याण सिंह प्रतापगढ़ सुशील मोदी के साथ आए थे। उन्होंने केपी कालेज में सभा को रात साढे .दस बजे सम्बोधित किया था और सुबह एमडीपीजी कालेज के प्राध्यापक वीकेडी त्रिपाठी के घर नाश्ता कर लोक निर्माण विभाग के डाक बंगले में कार्यकर्ताओं से भेंट की थी। उस समय की यादों को ताजा करते हुए कल्याण सिंह के साथ उनकी अनपुस्थिति में याद कर रहे हैं। भाजपा नेता गिरधारी सिंह बताते हैं कि वह अपने इरादे के पक्के थे और वह कार्यकर्ताओं को भी यही शिक्षा देते थे।

कल्याण सिंह के निधन पर भाजपाई दुखी

यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के निधन पर भाजपा कार्यकर्ताओं में दुख का माहौल देखा गया। रविवार को भाजपा नेता पं. राधारमण शुक्ल, सभासद बृजेंद्र पांडेय मंटू, हरिशंकर द्विवेदी, सभासद दिवाकर दुबे, सभासद ज्ञानचंद्र मोदनवाल, संतोष सिंह, राजेंद्र मिश्रा, अरविंद सिंह, धीरेंद्र शुक्ला, विनोद मिश्रा, हेमंत पांडेय, राजेश तिवारी, आदि ने कहा कि स्व. कल्याण सिंह ने प्रदेश में एक साफ सुथरी सरकार का नेतृत्व करते हुए श्री राम जन्मभूमि पर भव्य राममंदिर के निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया।

एकमुश्त समाधान योजना का 31 अक्टूबर तक उठाएं लाभ

प्रतापगढ़। जिला समाज कल्याण अधिकारी (विकास)/जिला प्रबन्धक-अनुगम ने बताया है कि उ0प्र0 अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम लि0 लखनऊ के माध्यम से ऋणों की वसूली हेतु वर्तमान नई एकमुश्त समाधान योजना लागू की गयी है। योजनान्तर्गत निर्धारिण ऋण अवधि पर साधारण व्याज के साथ -साथ अवशेष धनराशि की एकमुश्त वसूली की जानी है। इस प्रकार शेष अवधि का सम्पूर्ण चक्रवृद्धि ब्याज एवं दण्ड व्याज माफ कर दिया जायेगा। राष्ट्रीय निगमों के माध्यम से लाभान्वित व्यक्ति भी इस योजना का लाभ पाने के लिये हकदार होंगे। एकमुश्त समाधान योजना 31 अक्टूबर तक लागू रहेगी। योजना से सम्बन्धित निगम के सभी ऐसे बकायेदार जिसका ऋण आवेर ड्यू हो चुका है तथा ऋण की अदायगी एक मुश्त करना चाहते है, इस समयावधि में ऋण धनराशि जमा कर ब्याज/चक्रवृद्धि ब्याज की छूट का लाभ प्राप्त कर सकते है। विस्तृत जानकारी के लिये किसी भी कार्य दिवस में विकास भवन प्रतापगढ़ स्थित कार्यालय अथवा सम्बन्धित विकास खण्ड में तैनात सहायक विकास अधिकारी (स0क0)/ग्राम विकास अधिकारी (स0क0) से एवं जिन लाभार्थियों का अन्तिम वसूली प्रमाण पत्र जारी है वे सम्बन्धित तहसील से सम्पर्क कर योजना की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म के मामले में पुलिस है खामोश

पीड़िता ने एसपी से की इंसाफ की फरियाद

लालगंज, प्रतापगढ़। शादी का झांसा देकर दुष्कर्म पीड़िता के कई बार पुलिस से फरियाद करने के बावजूद कार्रवाई नही हो पा रही है। इसे लेकर पीड़िता ने एसपी से अब इंसाफ की फरियाद की है। कोतवाली के एक गांव की पीड़िता ने एसपी को दी गई तहरीर में कहा है कि आरोपी उसके पति के मामा का लड़का है और वह मुंबई में रहता है। पिछले वर्ष लाकडाउन में यहां आने के बाद उसने पीड़िता को बहकावे में लेकर कई बार दुष्कर्म किया। आरोपी ने पीड़िता को यह भी झासां दिया कि वह उससे शादी कर उसे साथ में मुंबई ले जाएगा। इसके बाद आरोपी उसे इक्कीस जून को मुंबई ले गया तथा सप्ताह भी अवैध संबंध बनाने के बाद उसे वापस झांसा देकर घर भेज दिया। आरोप है कि पीड़िता को कमरे में बंद कर एक और आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता ने घटना को लेकर कई बार पुलिस को तहरीर दी किन्तु जांच के नाम पर पुलिस कार्रवाई नही कर रही है। इसके बाद पीड़िता ने अब एसपी से इंसाफ की फरियाद की है। इस संदर्भ में स्थानीय पुलिस का कहना है उसे तहरीर की जानकारी नही है। पता लगाकर जांचोपरांत कार्रवाई की जाएगी।

आओ अंग्रेजी सीखें कार्यक्रम में बच्चों को दिये गये टिप्स

उप शिक्षा निदेशक ने किया विद्यालयों का निरीक्षण

कटरा गुलाब सिंह, प्रतापगढ़। विद्यालय खुलने के पूर्व शासन के निर्देशानुसार साफ सफाई, सेनेटाइजर माक्स एवं बैठक व्यवस्था की तैयारी का जायजा लेते हुए उप शिक्षा निदेशक मुहम्मद इब्राहीम ने उच्च प्राथमिक विद्यालय छितपालगढ, संविलियन विद्यालय मान्धाता द्वितीय तथा मॉडल उच्च प्राथमिक विद्यालय कटरा गुलाब सिंह का निरीक्षण किया।

शासन के निर्देशानुसार साफ-सफाई, सेनेटाइजर एवं बच्चों की बैठक व्यवस्था की तैयारी पर उन्होंने संतोष जताया। इंग्लिश मीडियम मॉडल उच्च प्राथमिक विद्यालय कटरा गुलाब सिंह के द्वारा चल रहे मोहल्ला पाठशाला का अनुश्रवण किया। बच्चों को आओ अंग्रेजी सीखें के अंतर्गत 65वां एपिसोड का लाइव प्रसारण किया गया। छात्र छात्राओं ने अत्यंत उत्सुकता से प्रसारण को सुना। तत्पश्चात प्रश्नों का उत्तर भी दिया। बच्चों को शब्द भंडार बढ़ाने के संबंध में टिप्स भी दिए। ऑडियो वीडियो के द्वारा रोचकपूर्ण कक्षा का वातावरण बेहद प्रभावी रहा। बच्चों के द्वारा पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देते हुए उप शिक्षा निदेशक ने अपने अनुभव को साझा किया। अंत में राष्ट्रगान के पश्चात कक्षा शिक्षण समाप्त किया गया। उप शिक्षा निदेशक के इस सराहनीय कार्य की क्षेत्र में काफी प्रशंसा की जा रही है। इस अवसर पर राज्य अध्यापक पुरस्कृत प्रधानाध्यापक मुहम्मद फरहीम, ए आर पी राजेश प्रताप सिंह, पितामह यादव, अजीत प्रताप सिंह, आशा मिश्रा, मनोज कुमार आदि उपस्थित रहे।

लूट के मामले में पुलिस के हाथ खाली, रिपोर्ट दर्ज

लालगंज, प्रतापगढ़। सरे बाजार जनसेवा केन्द्र से चालीस हजार की लूट को लेकर पुलिस के हाथ दूसरे दिन भी खाली रहे। पुलिस घटना का न तो खुलासा कर सकी है और न ही इस बावत उसको अभी तक बदमाशों की पहचान में सफलता मिली है। हालाकि पुलिस ने अज्ञात बाइक सवार बदमाशों के खिलाफ लूट का केस दर्ज किया है।

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 11 सितम्बर को

प्रतापगढ़। सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नीरज कुमार त्रिपाठी ने बताया है कि उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार एवं संजय शंकर पाण्डेय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के आदेशानुसार 11 सितम्बर को प्रातः 10 बजे से जनपद मुख्यालय के साथ ही साथ समस्त तहसील मुख्यालयो पर राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया है। इस राष्ट्रीय लोक अदालत में विशेष रूप से आपराधिक शमनीय वाद, धारा-138 पराक्रम्य लिखित अधिनियम वाद, बैंक वसूली वाद, मोटर दुर्घटना प्रतिकर याचिकाएं, पारिवारिक वाद, श्रम वाद, भूमि अधिग्रहण वाद, विद्युत एवं जल बिल विवाद (चोरी से सम्बन्धित विवादों सहित), सर्विस में वेतन सम्बन्धित विवाद एवं सेवानिवृत्ति लाभो से सम्बन्धित विवाद, राजस्व वाद, अन्य सिविल वाद (किराया, सुखाधिकार, व्ययादेश, विशिष्ट अनुतोष वाद) आपसी सुलह समझौते के आधार पर निस्तारित हो सकने वाले समस्त प्रकार के वादों का निस्तारण किया जायेगा।

भाईयों की कलाई पर बहनों ने बाँधा रक्षासूत्र

हर जगह सोत्साह मना रक्षाबंधन का पर्व

अखंड भारत संदेश

भदोही। भाई बहन के बीच रिश्तो के पवित्र डोर का प्रतीक पर्व रक्षाबंधन रविवार को हर जगह सोत्साह मनाया गया। इस दौरान बहनों ने जहां अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर उनके दीर्घायु होने की ईश्वर से प्रार्थना की वही भाइयों ने भी बहनों के मान सम्मान और उनकी सुरक्षा जीवन पर्यंत करने के प्रति संकल्प लिया। गौरतलब हो कि रक्षाबधन का पर्व भारतवर्ष में सदियों से मनाता चला आया है। पर्व के अंतर्गत भदोही में सपा के पूर्व विधायक जाहिद बेग को छोटी बच्चियो ने कलाई पर बांधी रखी। पूर्व विधायक जाहिद बेग ने कहा कि हमारे जीवन में भाई और बहन का रिश्ता सबसे अटूट और मज़बूत माना गया है। इस दिन भाईं अपनी बहन की सुरक्षा का वचन लेता है और बहन अपने भाईं की लम्बी आयु की ईश्वर से कामना करती है। नई बाजार पंचायत अध्यक्ष विजय सोनकर को बहनो ने राखी बांध कर भाई के सुख समृद्धि की कामना किया। पंचायत अध्यक्ष ने बहनो के मान सम्मान व रक्षा का संकल्प लिया।पंचायत अध्यक्ष ने कहा भाई बहन के अटूट प्रेम का पर्व रक्षा बंधन ईश्वर करे वर्ष में चार बार आये। निस्वार्थ भाव से भाई के सुख समृद्धि मान सम्मान स्वाभिमान के सुरक्षा की कामना करती रहती है।

देश भर के सभी बहनो को ढेर सारा प्यार आशीर्वाद। ईश्वर सभी बहनो को सुखी रखे। इसी तरह रक्षा बंधन के अवसर पर रविवार को पालिका अध्यक्ष अशोक जायसवाल को उनके आवास पर नगर की बहनो ने राखी बांध कर उज्जवल भविष्य की कामना किया। रिया जायसवाल प्रिया शर्मा नीलम शर्मा गीता देवी इशिका आदि रही। इसी तरह पूर्व पालिका अध्यक्ष एवं मुलायम सिंह यादव यूथ ब्रिगेड के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष आरिफ सिद्दीकी को नगर की हिंदू बहनो ने राखी बांध कर सद्भावना का संदेश दिया। पचभैया स्थित आवास पर सपा पूर्व जिलाध्यक्ष को नगर के हिंदू बहने राखी बांधती है। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी बहने राखी बांधी और उपहार स्वरूप पूर्व जिलाध्यक्ष ने बहनो के रक्षा का संकल्प दोहराया। राखी बांधने में अनीता गुप्ता रुपा देवी रिंकी देवी सुनीता देवी गुडिया छोटी जानवी गुप्ता कुमकुम गुप्ता ज्योति गुप्ता आदि रही।

वृद्धा आश्रम में मनी राखी पर्व

गोपीगंज। नगर स्थित खडहट्टी मुहाल वृद्धजन आश्रम में रक्षाबंधन के पर्व पर रविवार को वृद्धजन आश्रम में रहने वाले असहाय निराश्रित वृद्ध माताओं ने आश्रम में रहने वाले बृद्ध बुजुर्गों को राखी बांधकर मिठाई खिलाकर भाई बहन के रिश्ते को मजबूत की व भाइयों के दीर्घायु की कामना की वृद्धजन आश्रम में उपस्थित महेंद्र यादव ज्ञानेंद्र सिंह प्रदोष कुमार पंडा अजय यादव सुरेश कुमार बाबाजी सहित आदि लोग थे।

कम रोडवेज की बसें चलने से बहनों को प्राइवेट बसों का सहारा लेना पड़ा

अखंड भारत संदेश

गोपीगंज। रक्षाबंधन का पवित्र पर्व मनाने के लिए बहनों का उत्साह भाइयों से मिलने को तमाम व्यवस्थाओं पर भारी रहा। एक तरफ रोडवेज में मुफ्त सफर से भीड़ कई गुना बढ़ गई तो दूसरी तरफ सड़कों पर प्राइवेट वाहन के चलते दिन भर जाम की समस्या बनी रही। अनेक मार्गों पर सरकारी और प्राइवेट सवारी वाहन कम पड़ गए और लोग रास्तों में फंस गए। एक तरफ जाम और दूसरी तरफ सवारी वाहनों की कमी। ऐसे में गोपीगंज बस स्टैंड से लेकर रेलवे स्टेशनों लोग गंतव्य तक पहुंचने के लिए मुश्किलें झेलते नजर आए। रोडवेज में कई गुना बढ़े यात्री । वही यह भी देखने को मिला की रोडवेज की बसे बस स्टैंड पर रुके बगैर चली जाने से परेशान रहें और बस स्टैंड पर काफी संख्या में महिलाएं खड़ी रही कोई भी बस आता था उसमें चढ? के लिए मारामारी मची थी। आज दिन भर ऑटो चालकों की चांदी रही रोडवेज की बसे न पकड़ पाने की हालत में वाराणसी का सफर ऑटो से भारी कीमत चुकाने के बाद करनी पड़ी। बताते चले रोडवेज की बसे आम दिनों की अपेक्षा कम चली और जो चली भी तो ज्यादातर भरी हुई आई या फिर ओवरब्रिज से होकर चली गई जिससे रक्षा बंधन के पावन पर्व पर बहनों को अपने भाइयों तक पहुंचने में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। वैसे तो आम दिनों में बस स्टैंड पर पुलिस की पिकेट ड्यूटी रहती थी परंतु आज के दिन कोई पुलिस नही दिखाई पड़ी।

सीएम योगी के दावे हवा.हवाईए रोडवेज व्यवस्था चरमराई

अखंड भारत संदेश

ज्ञानपुर। रक्षाबंधन को लेकर रोडवेज की ओर से तमाम दावे किए गए थे लेकिन सभी दावे हवा हवाई साबित हुए। रक्षाबंधन के दिन पहले ही रोडवेज की व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई। शनिवार से ही कैंट रोडवेज बस स्टैंड यात्रियों की भीड़ ऐसी उमड़ी की बसें कम पड़ गईं। जबकि रोडवेज प्रशासन की ओर से दो दिन पहले दावा किया गया था कि यात्रियों की सुविधा के लिए 500 बसें उतारी जाएंगी। कैंट रोडवेज पर यात्रियों के भीड़ से बसें कम पड़ गईं। जिससे यात्रियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। बसें स्टैंड में पहुंचते ही भर जा रहीं थीं। इससे तमाम यात्रियों को बसों में खड़े हो कर सफर करना पड़ा। रोडवेज बसों की कमी का प्राइवेट बस ऑपरेटरों ने भी जमकर फायदा उठाया। लगभग सभी रूटों पर प्राइवेट बसें पूरे दिन दौड़तीं रहीं। प्राइवेट बसों में भी भीड़ का कमोबेश यही हाल रहा। जिसके कारण बहनों का भाईयों से मिलने का उत्साह फीका रहा। राष्ट्रीय राजमार्ग गोपीगंज की सड़कों पर जहां रोडवेज बसों की भारी कमी रही वहीं प्राइवेट बसों की काफी भरमार रही। इसके चलते इलाके में प्राइवेट वाहनों से जाम की स्थिति रही। सरकारी वाहनों की कमी के चलते बहनों का उत्साह फीका पड? से मायूसी रही। यदि सरकारी रोडवेज बसें प्रयागराज अथवा वाराणसी की ओर से आती भी दिखी तो उपर ही उपर हाइवे ब्रिज से होकर गुजर गई। जिसके कारण रक्षाबंधन के पावन पर्व पर बहनों को अपने भाईयों तक पहुंचने में तमाम मुश्किलों का सामना करना पड़ा। तमाम महिलाएं और युवतियां प्रदेश सरकार की इस चौपट व्यवस्था पर राखी ने बांधने के कारण सरकार और प्रशासन को कोसती नजर आईं।

मठहां भीटी मार्ग क्षतिग्रस्त राहगीरों का चलना हुआ दुश्वार

अखंड भारत संदेश

सीतामढ़ी। पर्यटक एवं पौराणिक भूमि सीतामढ़ी प्रयागराज जनपद को जोड? वाली इकलौती मठहां भीटी मार्ग लगभग एक दशक से जर्जर अवस्था में अपने हाल पर आंसू बहा रहा है जिस पर राहगीरों का चलना दुश्वार हो गया है गमनागमन के वक्त राहगीर उक्त मार्ग पर गिरकर चोटिल होते रहते हैं एक तरफ तो उत्तर प्रदेश सरकार का गड्ढा मुक्त सड़क योजना हवा हवाई साबित होता दिख रहा है कहने को तो योगी सरकार गड्ढा मुक्त सड़क करने का ढोल पीट रही है परंतु परंतु धरातल पर कुछ और देखने को मिल रहा है गड्ढा मुक्त की जगह गड्ढा युक्त करके धरातल पर देखने को आसानी से मिल मिल रही है काशी और प्रयाग के मध्य में पर्यटक भूमि सीतामढ़ी महर्षि बाल्मीकि आश्रम वह लव कुश कुमारों की जन्मस्थली सीता समाहित स्थल के रूप में विश्व पटल के नक्शे पर विख्यात है प्रयागराज से सीतामढ़ी को जोड? वाली इकलौती सड़क भीटी मठहा मार्ग लगभग एक दशक से जर्जर हो चुकी है।

अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का सपना नही हो पाया पूरा

अखंड भारत संदेश

सुरियावां। अभिया में अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का सपना पूरा नही हो पाएगा। वर्तमान सरकार के कार्यकाल कुछ महीने शेष रह गया है। सुरियावां सीएचसी से उत्तर पूरब दक्षिण दिशा के अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तो है किंतु पश्चिम दिशा में आठ कीमि दूर पर दर्जनों गावो केंद्र अभिया में अतरिक्त स्वास्थ्य केंद नही स्थापित हो सका आजादी के बाद से सात दशक से लोग स्वास्थ्य सम्बन्धी उपचार के लिए मोहताज है जबकि जौनपुर सीमा से सटा भी है। यदि आप ध्यान दें तो पट्टीबेजाव कांतिरामपुर हरिपुर कीर्तिपुर चकजीतराय पुरमनोहर अभिया गहोरवा तुलापुर छतमा मणिनगर तेज सिंहपुर आसपास आदि गावो के लोग परेशान है। इस सरकार के पूर्व की सरकार ने ध्यान नही दिया बीजेपी सरकार आई तो आश्वासन हुआ कि विधानसभा चुनाव के पहले अभिया में अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खुल जाएगा। किन्तु जनप्रतिनिधियों ने ध्यान नही दिया। आज भी लोग प्राईवेट चिकित्सा के लिए विवश है। क्षेत्र के जिला पंचायत सदस्य आशीष सिंह संतोष जी रवि कुमारए कौलेश दिनेश कुमार राकेश रामबली जोखन धीरज राजेश आदि ने विभाग के उच्चाधिकारियों ए जनप्रतिनिधियों का ध्यान आकृष कराते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री से विधानसभा चुनाव के पूर्व अभिया बाजार में अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना कर स्वास्थ्य सेवा कराने की मांग की है।

केन्द्रीय मंत्री से जनपद मे उद्योग इकाई लगाने की मांग

गोपीगंज। जनपद दौरे पर आए भारत सरकार के भारी उद्योग मंत्री डॉ महेंद्र नाथ पांडेय को गोपीगंज मंडल महामंत्री और नामित सभासद अश्वनी अग्रवाल ने जनपद में उद्योग इकाई की स्थापना के लिए मांग पत्र सौंपा। जिसमें सभासद ने अवगत कराया कि भदोही उनका पुराना चुनावी क्षेत्र रहा है जिसके स्थिति परिस्थिति के विषय में वह पूर्व से ही अवगत है क्योंकि भदोही जिला वाराणसी प्रयागराज और मिर्जापुर के मध्य में स्थित है इसलिए यदि यहां किसी उद्योग की स्थापना की जाती है तो इसका लाभ जिले के साथ आसपास के जिलों को भी मिलेगा कहा कि पहले जनपद में औराई चीनी मिल हुआ करता था जिससे कई लोगों की जीविका चलती थी बंद होने के बाद जनप्रतिनिधियों द्वारा अथक प्रयास किया जा रहा है लेकिन किसी कारणवश अभी यह संभव नहीं हो पा रहा है वही वैश्विक महामारी कोरोना और लॉकडाउन के कारण जनपद की पहचान कालीन उद्योग भी मंदी का सामना कर रहा है इसलिए भदोही जिले में एक उद्योग इकाई की स्थापना अति आवश्यक है जिससे भदोही की आर्थिक उन्नति और विकास तेजी से होगा।

भाईयों के मोटरसाइकिलों की चालान से सुनी रह गई राखी

अखंड भारत संदेश

घोसिया। औराई क्षेत्र अन्तर्गत रक्षाबन्धन के पावन पर्व पर औराई चौराहा अंडरपास के नीचे प्रशासन द्वारा सघन चेकिंग अभियान चलाकर कई गाडि़यों का चालान कर दिया गया। गौरतलब हो कि एक तरफ वैश्विक महामारी कोविड19 की त्रासदी से रक्षाबन्धन का त्योहार फीका पड़ गया।

वहीं दूसरी तरफ वाहन चेकिंग अभियान देखकर मोटरसाइकिल सवार आने.जाने के लिए हिम्मत छोड़ दिए। भाई.बहन के रिश्ते का प्रतीक रक्षाबन्धन पर्व पर भाई अपनी बहनों से राखी बंधवाने जा रहे थे। उसी समय प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा मोटरसाइकिलों की चेकिंग अभियान के अन्तर्गत चालान काटना शुरू कर दिया गया। जहां कुछ देर के अन्तराल में पुलिस की टीम बारी बारी से दर्जनों वाहनों का चालान किया। जिससे मोटरसाइकिल सवारों में हड़कम्प की स्थिति बनी रही।

गाडि़यों का चालान होता देख कितने मोटरसाइकिल सवार पहले से हीं मैदान छोड़ दिए। इस दौरान ऑटो रिक्शा चालक कम यात्री लेकर भागते दिखाई दिए। इस सम्बन्ध में यातायात प्रभारी निरिक्षक शशिकांत ने बताया कि कागजात व नियमों का उलंघन करने पर ज्ञानपुर गोपीगंज औराई से कुल इक्यावन दो पहिया व दो बड़े वाहनों का चालान किया गया है।

अब घर बनाना हुआ मुश्किल, चोरों का आतंक

अखंड भारत संदेश

गोपीगंज। कोतवाली क्षेत्र के पुलिस चौकी गोपीगंज अंतर्गत चोरों का आतंक दिन रविवार की रात्रि को चोरों द्वारा पूरे रघुनाथपुर निवासी विनोद बिंद पुत्र मातादीन बिंद के घर के सामने रखे लोहे के दो लेंथ सरिया चुरा ले गए परिजनों ने चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई। बताया जाता है की दिन रविवार की रात्रि को विजय बिंद नामक व्यक्ति कर्ज लेकर किसी तरह अपना मकान बनवा रहा था। गिट्टी बालू ईट सरिया घर के बाहर ही रखा था। अज्ञात चोरों द्वारा रात्रि के समय चोर सरिया उठा ले गए प्रातः जब परिवार के सदस्य बाहर निकले तो देखा सरिया गायब थी। इसी तरह शुक्रवार की रात को शाश्वत सिंह ग्राम पूरे रघुनाथ के यहां से सरिया गायब हो गई थी। मोहल्ले के लल्लन बिंद जयराम बिंद ने भी बताया की एक माह पूर्व हमारे भी सरिया चोरी हुए थे पर पुलिस द्वारा कोई कार्यवाही नहीं हुई। बड़े शिव मार्ग स्थित दिन दुखी सेवा आश्रम में भी चोर आश्रम का बर्तन सहित काफी सामान चुरा ले गए थे बहरहाल विनोद बिंद ने थाने में तहरीर दे दी है। निवासियों का आरोप है की शिकायत के बाद भी चौकी पुलिस देखने तक मौके पर नही पहुंचती। जिससे चोरों के हौसले बुलंद है। स्थानीय पुलिस की कोई कार्यवाही न होती देख शाश्वत सिंह ने इसकी शिकायत भदोही जनपद के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से कर रिपोर्ट लिखे जाने की मांग की है। गोपीगंज थाना क्षेत्र चोरों की शरण स्थली बन गई है। आए दिन चोरी उचक्कागिरि छिनैती से आम नागरिक परेशान है वही स्थानीय पुलिस चैन की नींद सो रही है।

ओवर ट्रेक करने के चक्कर मारपीट

अखंड भारत संदेश

गोपीगंज। कोतवाली क्षेत्र के मिर्जापुर रोड रेलवे क्रासिंग के पास शनिवार की देर शाम बोलोरो मारुति की मामूली खरोच में कहासुनी के बाद विवाद में मारपीट। बताया जाता है की मारूति कार सवार विंध्यांचल से दर्शन कर लौट रहे थे और मिर्जापुर से ही बोलोरो भी आ रही थी। ककराही रेलवे क्रासिंग ट्रेन आने की वजह से फाटक बंद था फाटक खुलने के बाद जल्दी निकलने की चक्कर में बोलोरो सवार से मारुति कार में खरोच आ गई इसी को लेकर दोनो चालकों में विवाद बढ़ा और मारपीट हुई इसी में किसी तरह से बोलोरो की गाड़ी का सीसा टूट गया। मामला पहुंचा चौकी जहा पर दोनो पक्ष एक दूसरे की भरपाई कर मामले को सुलझाना चाहते थे। परंतु चौकी पुलिस ने मामले को उलझाकर थाने पर भेज दिया। थाने पर मामले को सुलझाया गया।

अज्ञात ट्रक के चपेट में आने से बाइक सवार युवक की हुई मौत

अखंड भारत संदेश

गोपीगंज। थाना क्षेत्र के जंगीगंज बाजार में बाइक सवार युवक की अज्ञात ट्रक की चपेट में आने से मौत हो गई। मौके पर पहुती पुलिस शव को कब्जे में ले लिया। घटना के बारे में बताया जाता है कि ज्ञानपुर कोतवाली के भुड़की गांव निवासी श्यामधर बिंद का 28 वर्षीय पुत्र रमाशंकर बिंद प्रयागराज जनपद के हँडिया अपने बहन के घर से बाइक लेकर वापस भुड़की लौट रहा था। बाइक लेकर जंगीगंज बाजार पहुंचा था जहां तेज रफ्तार अज्ञात ट्रक के चपेट में आ जाने से गंभीर रूप से घायल हो गया। चौकी इंचार्ज जंगीगंज समेत पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोपीगंज में भर्ती कराया जहां चिकित्सको ने युवक को मृत घोषित कर दिया । बताया जाता है कि मृतक पांच भाइयों में दूसरे नंबर पर था जिसको दो छोटी पुत्रियां और एक पुत्र हैं। मृतक सूरत में रहकर मजदूरी करके अपने परिवार का भरण पोषण किया करता था जिसके मौत के बाद परिजनों के ऊपर मुसीबत का पहाड़ टूट पड़ा और परिजनों का रो रो कर बुरा हाल रहा।

युवक के लिए काल बना सड़क पर पड़ा जला हुआ ट्रक

अखंड भारत संदेश

गोपीगंज। थाना क्षेत्र मे राजमार्ग पर किसुनदेवपुर के पास सड़क पर पड़ा दुर्घटना ग्रस्त ट्रक युवक के लिए काल बन गया। हंडिया से लौट रहा बाइक सवार सड़क पर पड़े ट्रक को देख बचने का प्रयास किया इस दौरान पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आ गया जिससे उसकी मौत हो गई। राजमार्ग पर किसुनदेवपुर के पहले से खराब होकर पड़े टेलर मे 16 अगस्त को भोर में तेजगति से आ रहा ट्रक टकरा गया था। घटना मे ट्रक जहा सड़क पर पलट गया वही उसमे शार्ट सर्किट से आग लग गई थी जिसमे ट्रक का चालक जिंदा जल गया था। घटना के बाद स्थिति काफी विकट हो गई थी घंटों मेहनत के बाद दमकल कर्मियों ने आग बुझा दिया था लेकिन देर रात एक बार फिर ट्रक से आग की लपट निकलते देख आसपास के लोग अनहोनी की आशंका से परेशान हो गये थे। घटना के पांच दिन बाद सड़क पर दुर्घटना ग्रस्त पड़े ट्रक को हटाया नही गया था शनिवार की रात भुड़की निवासी युवक के लिए वह काल बन गया हंडिया से घर लौट रहे रमाशंकर के लिए काल बन गया सामने पड़े ट्रक से बचने के प्रयास में बाइक रोकना चाहा इस दौरान पीछे से आ रहे ट्रक की चपेट में आ जाने से गंभीर रूप से घायल हो गया।

कल्याण सिंह के निधन से हुई अपूर्णीय क्षति

अखंड भारत संदेश

ज्ञानपुर। पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के निधन पर पूर्वांचल क्रांति दल ने गहरा शोक व्यक्त किया वह कल्याण सिंह के निधन को एक अपूरणीय क्षति बताया पूर्वांचल की एक आपातकालीन बैठक पार्टी कार्यालय ज्ञानपुर में संपन्न हुई जिसकी अध्यक्षता राष्ट्रीय ध्वज राम प्रकाश त्रिपाठी ने की व संचालन रामराज चौहान ने किया बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि आज बेचने हिंदू हृदय सम्राट लव पुरुष जननायक नेता को खो दिया है जिन्हें कुर्सी का कभी मुंह नहीं रहा स्वच्छ प्रशासन भय मुक्त प्रशासन अपराध मुक्त शासन के लिए यह जाने जाते थे जिस कुर्सी के लिए सारे लोग लालायित हैं विवादित ढांचा को ध्वस्त करके सारी जिम्मेदारी अपने ऊपर लिया और और मृत्युदंड तक जाने के लिए तैयार थ। श्री त्रिपाठी ने कहा कि कार्यकर्ताओं के हित के लिए वह हमेशा संघर्ष किया करते थे अंत में 2 मिनट का मौन रखकर मृतक आत्मा की शांति हेतु इश्वर से प्रार्थना की गई वह परिजनों को दुख सहने की शक्ति की स्वर से प्रार्थना की गई बैठक में राम राज चौहान चंद्र मणि तिवारी संपत्ति देवी आशुतोष शुकुल मनोज सिंह गामा पटेल जवाहर दलित रमाशंकर आदि लोग शामिल रहे

शोक सभा का आयोजन

अखंड भारत संदेश

ऊंज/भदोही। क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ताओं एवं उसके अनुवांशिक संगठन के सदस्यों द्वारा एक शोक सभा कुरमैचा गांव में हुई इसमें पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व राज्यपाल तथा राम मंदिर निर्माण सत्याग्रह के पुरोधा हिंदू हृदय सम्राट कल्याण सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया गया। वक्ताओं ने उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला तथा अंत में 2 मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की गई तथा इस दुख को सहने के लिए उनके परिवार को तथा उनके इष्ट मित्रों को भगवान हाथ बल दें इस अवसर पर प्रेम शंकर ओझा जुगल उपाध्याय अम्बरीश चतुर्वेदी आलोक सिंह सोनू सिंह अभिषेक ओझा श्याम बहादुर बिन्द राजित बिंद अवनीश चतुर्वेदी मनोज ओझा शिवम मिश्रा राकेश चतुर्वेदी राजकुमार अखिलेश बिंद मनोज दुबे दयाशंकर गिरी मेघनाथ बिंद सुरेश साहू अंकित सिंह सिंटू सिंह प्रिंस सिंह संतोष गुप्ता संजय सिंह शिव श्याम तिवारी आशीष राय आदि लोग उपस्थित थे।

नही मिल सका आवास

ज्ञानपुर। डीघ विकासखंड के किशुनदेवपुर जगनंदन पट्टी में अब्दुल गफ्फार जिनके पास रहने का एक कच्चा मकान था वह बारिश में गिर गया जो अपना जीविकोपार्जन त्रिपाल द्वारा तंबू लगाकर किसी तरह कर रहे हैं और वह भी इस बरसात में बेघर हो गए उनके परिवार में पत्नी मदीना बेगम सहित कुल 12 सदस्य हैं प्रधानमंत्री आवास योजना की आस लगाए अब्दुल गफ्फार अभी तक आवास ना पा सके। ऊंज़ प्रतिनिधि के अनुसार क्षेत्र में रक्षाबंधन का पर्व परंपरा एवं श्रद्धा विश्वास के साथ मनाया गया इस अवसर पर बहनों ने अपने भाई के कलाई में रक्षा बांधकर अपनी रक्षा की उनसे कामना की तथा भाई को तिलक लगाकर मिठाई खिलाकर उसको दीर्घायु होने की कामना की भाई द्वारा बहनों को यथा योग्य भेंट भी दी गई क्षेत्र के ऊज नवधन कुरमैचा बिछिया रोही अकोड़ा दशरथपुर पिंलखुना अईनछ पूरेभान आदि गांव में रक्षाबंधन का पर्व धूमधाम से मनाया गया

कोतवाली में अपने भतीजी के गायब होने का दिया तहरीर

गायब महिला के पति को पुलिस पकड़ कर कर रही पूछताछ

अखंड भारत संदेश

गोपीगंज। कोतवाली गोपीगंज में अपनी भतीजी के गायब होने का दिया तहरीर। बताया जाता है की ग्राम दुमदुमा तहसील हंडिया जनपद भदोही निवासी ने अपनी पुत्री की शादी सन 2009 में ग्राम गुलौरी में हिंदू रीति रिवाज के साथ की थी। जिससे दो बच्चे भी है। 20 अगस्त को ससुराल वालो ने लड़की के मायके वालों को फोन किया की तुम्हारी लड़की कही चली गई है। मायके पक्ष के लोगो द्वारा ससुराल आकर पता किया उसके बाद अपने सभी रिश्तेदारी में खोजा पता नही लगाने पर थाने में ससुराल वालो के ऊपर संदेह बयक्त किया की इन लोगो ने ही गायब किया है। जिसकी रिपोर्ट लिखकर जांच किए जाने की मांग की है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पता चला है की लड़की के पति को थाने में बिठाकर पुलिस पूछताछ कर रही है। वही लड़की के भाई ने थाने में अपनी बहन के साथ अनहोनी होने की बात कही है। बताते चले की दोनो बच्चे भी गायब है। लड़की पक्ष के लोग लगातार तीन दिनों से थाने के चक्कर लगा रहे हैं परंतु अभी तक लड़की व बच्चो का कोई पता नहीं चल पाया है।

बाइक से गिरी महिला, मौत

ऊंज़। क्षेत्र के पूरेभान गांव निवासी बंसलाल बिंद मास्टर अपनी औरत रुक्मिणी देवी को मोटरसाइकिल पर बैठाकर अपने ससुराल पुर्जागीर मिर्जापुर राखी बनवाने जा रहे थे रास्ते में चेतगंज के पास स्पीड ब्रेकर पर गाड़ी उछलने के कारण उनकी पत्नी गाड़ी से नीचे गिर गए पीछे से आ रही ट्रक उसके ऊपर चढ़ गई घटनास्थल पर ही रुकमणी देवी की मौत हो गई उनकी उम्र 35 वर्ष थी सूचना पर पहुंची चिल्ह थाने की पुलिस लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया समाचार लिखे जाने तक पोस्टमार्टम नहीं हुआ था।

मंत्री के निधन पर शोक दी गई श्रद्धांजलि

अखंड भारत संदेश

गोपीगंज। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के निधन पर भाजपा नेता आनंद मिश्रा की अध्यक्षता मे शोक सभा का आयोजन किया गया। जिसमें शामिल पार्टी कार्यकर्ताओं ने हिन्दू सम्राट पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के निधन पर दुःख व्यक्त करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित किया। राममंदिर आंदोलन के जननायक कल्याण सिंह की तुलना सरदार बल्लभ भाई पटेल से करते हुए वक्ताओ ने कहा कि श्री सिंह अपने फैसले पर हमेशा अडिग रहने वाले जननेता थे। पूरे प्रदेश के जन मानस को राम मंदिर के पक्ष में एकत्रित करने वाले कठोर प्रशासक कल्याण सिंह को अश्रुपूरित नेत्रों से श्रद्धांजलि दी गई। इस मौके पर वीरेंद्र पांडेय कृष्ण कुमार खटाई अरुण कुमार मिंकु राकेश कौशल अमित जायसवाल प्रकाश शर्मा विनोद कुमार दीनदयाल रामकिसुन दीपक अग्रहरि आदि शामिल रहे।

सम्पादकीय

जुल्म की इबारत

इन प्रदर्शनों को देखकर लगता है कि लोग उस दौर के जुल्म को भूले नहीं हैं और वे पिछले 20 वर्षों में मिली आजादी भी गंवाने के लिए तैयार नहीं हैं। इन विरोध प्रदर्शनों को जिस तरह से दबाने की कोशिश हुई, उसने नई और सुधरी हुई छवि के तालिबान के दावों पर भी सवालिया निशान लगा दिया। अफगानिस्तान के जलालाबाद शहर में शांतिपूर्ण विरोध करते लोगों पर तालिबान द्वारा फायरिंग की घटना विचलित करती है। इस घटना में कम से कम तीन लोगों के मारे जाने और करीब एक दर्जन के घायल होने की सूचना है। नागरिकों की ओर से तालिबान के शांतिपूर्ण विरोध की खबरें कुछ अन्य शहरों से भी मिल रही हैं। काबुल में भी कुछ महिलाओं के हाथों में पोस्टर लेकर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने का विडियो वायरल हो रहा है। ये तस्वीरें और विडियो बताते हैं कि हिंसा और दहशत का इतिहास रखने वाले तालिबान के खिलाफ वहां आवाजें उठ रही हैं और उससे यह बर्दाश्त नहीं हो रहा।

इससे यह भी पता चलता है कि तालिबान ने भले ही देश के बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया है, लेकिन सभी लोगों ने उसे स्वीकार नहीं किया है। इसकी वजह यह भी हो सकती है कि पिछले 20 वर्षों में अफगानिस्तान में बड़े बदलाव आए थे। समाज में खुलापन आया था। लड़कियों को काम करने और पढ़ने की आजादी मिली थी। परदे में रहने की बंदिशें नहीं थीं। इस बीच, सड़क और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाएं बेहतर हुईं। अफगानिस्तान में 11 फीसदी लोगों की इंटरनेट तक पहुंच है, जो साल 2000 में शून्य फीसदी था। इन सबके बीच प्रशासन से लोगों की उम्मीदें भी बढ़ी हैं। वहीं, 1996-2001 के बीच जब तालिबान का देश पर राज था, तब अफगानिस्तान मध्ययुगीन दौर में चला गया था। औरतों पर तमाम बंदिशें थीं। पुरुषों को दाढ़ी रखनी पड़ती थी। अपराधों के लिए बीच सड़क पर सजा दी जाती थी। इन प्रदर्शनों को देखकर लगता है कि लोग उस दौर के जुल्म को भूले नहीं हैं और वे पिछले 20 वर्षों में मिली आजादी भी गंवाने के लिए तैयार नहीं हैं। इन विरोध प्रदर्शनों को जिस तरह से दबाने की कोशिश हुई, उसने नई और सुधरी हुई छवि के तालिबान के दावों पर भी सवालिया निशान लगा दिया। यूं तो राजधानी काबुल पर कब्जे के बाद तालिबान ने देश भर में आम माफी का ऐलान किया। लोगों से बेखटके सामान्य जीवन जीने की अपील की। महिलाओं को शरीयत के मुताबिक सरकार तक में हिस्सेदारी देने जैसी बातें भी कीं। लेकिन जलालाबाद की घटना से लगता है कि तालिबान बदला नहीं है, वह सिर्फ बदलने का दिखावा कर रहा है। वह भी इसलिए कि देश पर शासन करने के लिए उसे लोगों का समर्थन और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से स्वीकृति चाहिए। जलालाबाद और अन्य शहरों में अगर तालिबान ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन होने दिया होता तो शायद उसे उसके बदलने का संकेत माना जाता। वह दुनिया को दिखा सकता था कि तालिबान असहमति का सम्मान करना जानते हैं। मगर निहत्थे लोगों पर अंधाधुंध फायरिंग की यह घटना बताती है कि उसकी कथनी और करनी में काफी फर्क है। अभी तक के संकेत देखकर यह भी कहना मुश्किल है कि तालिबान बदल गया है।

सफर में सफरिंग से क्या डरना!

जोगा सिंह

अगर एक आम भारतीय और एक यूरोपियन शिमला जाएंगे तो वे वहां क्या करेंगे। कुछ भारतीय युवाओं के बारे में मैं अच्छे से जानता हूं इसलिए बता सकता हूं कि वे सबसे पहले एक महंगा होटल तलाशेंगे और फिर रूम बुक करेंगे। फिर खाने का ऑर्डर देंगे, छककर महंगी शराब पीकर सो जाएंगे। सुबह उठकर वापिस घर चले जाएंगे। पैसे की बर्बादी के साथ बस इतना ही था उनका घूमना और एंजॉय! अब समझिए कि एक यूरोपियन वहां क्या करेगा। वह किसी पहाड़ की चोटी पर चढ़ जाएगा और अपना टेंट गाड़ देगा। वह रातभर उस पहाड़ की चोटी पर बर्फीली हवाओं के संग रहेगा। इस बीच हो सकता है कि वहां बारिश भी हो जाए, तूफान भी आ जाए लेकिन वह हर चीज को एंजॉय करेगा। सुबह सूरज की पहली किरण के साथ फोटो या विडियो भी शूट करेगा। इस बीच, जो भी उसके पास खाने और पीने के लिए है उसी से काम चलाएगा। यह भी संभव है कि वह वहां खींचे फोटो या विडियो को बेचकर वह अपने टूर का कुछ खर्चा भी निकाल ले। वहां अपनी हर गतिविधि में उसे जोखिम उठाना पड़ सकता है लेकिन वह उसके लिए मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार होकर आया है। अब ध्यान देने वाली बात यह है कि भारतीय युवक के जीवन में सब कुछ पहले से ही निश्चित था। उसने एक तरह के बने बनाए रूल के आधार पर अपना आनंद निश्चित किया था। उसकी जिंदगी में सब कुछ पहले से सेट था। कितना महंगा होटल लेना है। होटल उसके लिए कितना सुरक्षित है। रूम हीटर है या नहीं। बाथरूम में गर्म पानी आता है या नहीं। मेन्यू में से कौन-कौन-सा खाना ऑर्डर करना है। सुबह ब्रेकफास्ट में क्या लेना है। और कमरा कितने बजे चेक आउट करना है। जीवन में जब हर चीज निश्चित होती है तो हम उसी के मुताबिक चलते हैं। तब खुद को उससे बाहर नहीं निकाल पाते। जबकि पहाड़ की चोटी पर उस यूरोपियन की जिंदगी में कुछ भी निश्चित नहीं है। ज्यों ही वह फैसला करता है कि मैं होटल में न रहकर किसी पहाड़ की चोटी पर रहूंगा, तभी से उसकी जिंदगी में मुश्किलें भी बढ़ जाती हैं। उसका दिमाग एक कमांडो की तरह चारों दिशाओं में दौड़ने लगता है कि कौन-सी चोटी मेरे लिए ठीक रहेगी। चोटी कितनी ऊंची होनी चाहिए। वहां कौन सी मुश्किलें आएंगी और उनका कैसे डटकर मुकाबला करना है। यूरोपियन के मन में तनाव पैदा होगा और उसको इसके लिए बहुत सोचना पड़ेगा। अब बताइये कि आगे की तरफ कौन देख रहा है। दूसरी तरफ, उस भारतीय युवा के मन में कोई तनाव नहीं। वह रातभर नशे में रहेगा और उसे पता भी नहीं चलेगा कि वह कहां सोया हुआ है। जब वह होटल से निकलेगा तो उसे यह लगेगा कि कोई फायदा नहीं हुआ यहां आने का क्योंकि मुझे तो कोई नया अनुभव हुआ ही नहीं। कुछ भी हासिल नहीं हुआ। उसके जीवन में कुछ नया घटित नहीं हुआ, कोई नया विचार पैदा नहीं हुआ।

जबकि यूरोपियन को रात में इतने फैसले लेने पड़े, इतनी चुनौतियों का सामना करना पड़ा जिससे जीवन के प्रति उसकी नई समझ पैदा हो गई क्योंकि उसका अनुभव अद्भुत रहा। उसने आज जीवन के प्रति एक नई खोज की क्योंकि वह पहले से ज्यादा बौद्धिक हो गया। उसके अंदर आत्मविश्वास, हौसला, निडरता जैसे गुणों की बढ़ोतरी हो गई। तो फिर बताइए कि यहां असल आध्यात्मिक कौन है। यूरोपियन को जो नशा हुआ वह नशा कभी नहीं उतरेगा। अब आप ही बताओ कि धार्मिक ग्रंथों वाला आनंद उस यूरोपियन ने लिया या भारतीय युवक ने। दोनों में से अध्यात्म के पनपने के अवसर किस में ज्यादा हैं। मेरे हिसाब से, अध्यात्म का मतलब आत्मा का ज्ञान, खुद के ज्ञान से है। अब खुद का ज्ञान होटल में एंजॉय करने से ज्यादा होगा या पहाड़ की चोटी पर संघर्ष करने से। किसी भी काम और उसके प्रबंधन को बेहतर करते रहने की स्थिति को अध्यात्म कहते हैं। लेकिन हम लोग बेहतर करने की बजाय उसे दोहराने लगते हैं। इससे जीवन में मौलिकता खत्म हो जाती है और जीवन कर्मकांड में बदल जाता है। फिर कर्मकांड पाखंड में बदल जाते हैं और यही पाखंड आने वाली पीढ़ियों के लिए एक परंपरा बन जाते हैं। हम यूरोपियन पर कई इल्जाम लगाते हैं जबकि सच यह है कि हमारी संघर्ष और खुद के ज्ञान में कोई रुचि नहीं। उधर, बहुत-से विकसित देश धार्मिक पाखंडों से दूर हो रहे हैं, वहां चर्च में जाने वाले लोगों की संख्या लगातार घट रही है। बहुत-से चर्चों को तो स्कूलों में बदला जा रहा है। विकसित देशों में नास्तिकों की संख्या भी ज्यादा मिलेगी।

इतिहास देखें आखिर देश के बंटवारे के लिए कौन जिम्मेदार है।

इक़बाल हिन्दुस्तानी

14 अगस्त 1947 को देश का बंटवारा हुआ था। इसी दिन पाकिस्तान बना था। लाखों लोग अपना घरबार छोड़कर पाक से भारत और भारत से पाकिस्तान गये थे। 1950 तक 4000 मुसलमान हर दिन रेल से पाकिस्तान जाते रहे। बंटवारे के दौरान लगभग 90 लाख शरणार्थी पंजाब से पाकिस्तान गये तो करीब 12 लाख उधर से भारत आये। दोनों तरफ हुए दंगों में 13 लाख लोग मारे गये तो एक लाख से अधिक महिलाओं के साथ बर्बर बलात्कार हुए। इतना ही नहीं डेढ़ करोड़ लोग विस्थापन को मजबूर हुए। सच है विभाजन विभीषिका ही था लेकिन उसका स्मृति दिवस मनाने से अब क्या हासिल होगा।

उसके होंठो की तरफ़ ना देख वो क्या कहता है,
उसके क़दमों की तरफ़ देख वो किधर जाता है।।

पीएम मोदी ने कहा है कि यह दिन हमें भेदभाव वैमनस्य और दुर्भावना के ज़हर को खत्म करने के लिये न केवल प्रेरित करेगा बल्कि इससे एकता सामाजिक सद्भाव और मानवीय संवेदनायें भी मज़बूत होंगी। उनकी बातें सुनने में तो अच्छी और बेहतर लगती हैं। लेकिन उनकी सरकार की कथनी करनी में अब तक ज़मीन आसमान का अंतर देखा गया है। हमारे पीएम आंदोलनकारियों को कपड़ों से पहचानने एक राज्य का चुनाव जीतने को कब्रिस्तान शमशान और ईद दिवाली पर बराबर बिजली व धर्म के आधार पर नागरिकता देने वाला विभाजनकारी कानून सीएए बनाते हैं। वे खुद को हिंदू और राष्ट्रवादी एक साथ जोड़कर बताने में गुरेज़ नहीं करते। वे अल्पसंख्यकों की मॉब लिंचिंग पर रहस्यमयी चुप्पी साध लेते हैं। जबकि बहुसंख्यकों की धार्मिक गतिविधियों में देश के एक धर्मनिर्पेक्ष राष्ट्र होने के बावजूद खुलकर हिस्सा लेते हैं। वे दलितों से होने वाले पक्षपात और जातीय हमलों पर भी रण्नीतिक ढंग से चुनचुनकर बयान देते हैं। वे खुद को पिछड़ी जाति का बताते हैं। लेकिन उनकी जाति की गणना कराने से परहेज़ करते हैं। वे गरीबों किसानों महिलाओं और कमज़ोर वर्गों की समस्याओं पर कभी गंभीरता से विचार कर समाधन का प्रयास करते नज़र नहीं आते। यहां तक कि वे मुख्य विरोधी दलों विपक्ष शासित राज्यों सेकुलर निष्पक्ष और योग्य हिंदुओं से भी असहमति जताने पर सीधे संवाद और संघ परिवार के कुछ अति उत्साही संगठनों द्वारा भाजपा विरोधियों के साथ आपत्तिजनक व्यवहार नारेबाज़ी या हमलों पर कभी कठोर शब्दों में निंदा या कानूनी कार्यवाही उसी शैली में नहीं करा पाते जिस तरह से अल्पसंख्यकों दलितों या कुछ गरीबों द्वारा ऐसी ही कोई विवादित या गैर कानूनी हरकत करने पर सरकार बेहद सक्रियता अति उत्साह और दमन की भावना का प्रदर्शन करती रहती है। क्या यह समानता का व्यवहार कहा जा सकता है। ऐसे ही अल्पसंख्यक तुष्टिकरण के आरोप कांग्रेस सपा बसपा व अन्य क्षेत्रीय दलों पर भाजपा लंबे समय से लगाती रही है। जो आज खुद भाजपा पर बहुसंख्यक वोटबैंक की राजनीति करने को लेकर लग रहे हैं। जानकार लोगों का तो कहना यह रहा है कि देश का बंटवारा एक दुखद और डरावना दिन था। इस दिन को बुरा सपना मानकर भूल जाना ही बेहतर है। आज भी भारत में ऐसे लोगों की काफी बड़ी तादाद है। जिनको विभाजन की भारी कीमत चुकानी पड़ी थी। लाखों लोग रातो रात अपने घर परिवार रिश्तेदार दोस्त स्टेटस कारोबार ज़मीन जायदाद जेवर दौलत पूजा स्थल और अपनी जन्मभूमि छोड़कर लुटपिटकर इधर से उधर और उधर से इधर आये और गये। 14 अगस्त भारत के इतिहास की वो मनहूस तारीख है जो आंसुओं से लिखी गयी। दरअसल यह दिलों भावनाओं और खून के रिश्तों का बंटवारा था। यह भी सच है कि भुलाने की लाख कोशिशों के बावजूद भारतमाता के सीने पर लगा यह घाव लंबे समय तक हरा रहेगा और बेकसूर इंसानों असहाय औरतों व मासूम बच्चों की दिल को चीर देने वाली चीखें आने वाली कई पीढ़ियों के दिल व दिमाग़ पर दस्तक देती ही रहेंगी। देखना यह होगा कि विभाजन किन हालात में हुआ। इसके लिये कौन कौन जिम्मेदार था। वे कौन से कारण थे जिनकी वजह से बंटवारा अपरिहार्य हो गया। सवाल यह भी है कि जब बंटवारा तय हो ही गया था तो इसके लिये तय 8 माह का समय आबादी के इधर से उधर शांतिपूर्वक आने जाने के लिये अंग्रेजों द्वारा क्यों नहीं दिया गया। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट में सच्चर कमैटी की सिफारिशों पर अमल रोकने के लिये एक याचिका दायर की गयी थी। उसमें यह भी मांग की गयी है कि देश के बंटवारे के लिये गांधी जी नेहरू और पटेल को दोषी घोषित किया जाये। इससे पहले मुहम्मद अली जिन्नाह और अंग्रेज़ों को बंटवारे लिये जिम्मेदार बताया जाता रहा है। हालांकि जिन्नाह की पहल पर मुस्लिम लीग ने 1940 में पहली बार अलग मुस्लिम देश का प्रस्ताव पास किया। लेकिन इतिहास गवाह है कि 1937 में ही हिंदू महासभा वीर सावरकर की हिंदू मुस्लिम टू नेशन थ्योरी पर काम कर रही थी। इतना ही नहीं एक बड़ा वर्ग यह भी मानता है कि भारत के बंटवारे लिये मुसलमान जिम्मेदार हैं। जबकि सच यह है कि जो मुसलमान आज भारत में रहते हैं। वे बंटवारे के कभी भी पक्ष में नहीं थे। उनके पास पाकिस्तान जाने का विकल्प था। लेकिन वे नहीं गये। अफ़सोस तब होता है। जब भारत में रहने वाले देशप्रेमी मुसलमानों से ही देशभक्ति का प्रमाण मांगा जाता है। कम लोगों को पता होगा कि बंटवारे के लिये जनमत करने को 1946 में जो चुनाव हुआ था। उसमें देश की कुल आबादी में से केवल 14 प्रतिशत उन लोगों को ही वोट देने का अधिकार था। जिनके पास ज़मीन थी, आयकरदाता थे और अपर प्राइमरी या मैट्रिकुलेशन पास थे। इन 14 प्रतिशत में से भी मुसलमान मात्र 3.25 प्रतिशत थे। उस समय कुल मतदान 58.5 प्रतिशत हुआ था। जिससे मुसलमानों की कुल आबादी में से 1.65 प्रतिशत ने वोट दिया था। सबसे बड़ी बात मुसलमानों ने केवल उन 82 सीटों पर वोट डाले थे। जो उनके लिये रिज़र्व थीं। उनमें से केवल 49 सीट मुस्लिम लीग जीती थी। जो कुल सीटों का 55 प्रतिशत होती हैं। यानी मुसलमानों की कुल आबादी में से एक प्रतिशत से भी कम यानी 00.82 ने यह तय किया था कि पाकिस्तान बनना चाहिये।

रेप और मर्डर जैसे केस आपसी समझौते से रद्द नहीं होते

राजेश चौधरी

प्रथम सूचना रिपोर्ट (इंघ्) दर्ज होने के बाद किन मामलों में केस वापस हो सकता है और किन मामलों में शिकायती केस वापस नहीं ले सकता है यह बेहद अहम कानूनी सवाल है। कानूनी जानकारों के मुताबिक, गंभीर किस्म के अपराध जैसे रेप और मर्डर में समझौते के आधार पर केस रद्द नहीं हो सकता। इस बारे में कानून में क्या प्रावधान किया गया है, यह जानना जरूरी है। दिल्ली हाई कोर्ट के वकील मुरारी तिवारी बताते हैं कि सीआरपीसी की धारा-320 के तहत आमतौर पर जो अपराध कम गंभीर किस्म के हैं उनमें समझौता हो सकता है। मसलन आपराधिक मानहानि, धमकी देना, जबरन रास्ता रोकना आदि या मामूली मारपीट का केस। कुछ अपवाद छोड़ दें तो 3 साल तक की सजा वाले केस इस दायरे में आते हैं। ऐसे मामले में अगर शिकायती चाहता है कि वह केस वापस ले ले तो कोर्ट के सामने अर्जी दाखिल करता है कि उसका आरोपी के साथ समझौता हो गया है और ऐसे में कार्रवाई बंद की जाए। कोर्ट अर्जी पर विचार करके कार्रवाई बंद कर देती है। दिल्ली हाई कोर्ट के ऐडवोकेट राजेश शर्मा बताते हैं कि अगर आरोपी और शिकायती पक्ष के बीच समझौता हो जाता है तो केस हाई कोर्ट की इजाजत से ही रद्द हो सकता है।

इसके लिए धारा-482 के तहत अर्जी दाखिल की जाती है। मसलन दहेज प्रताड़ना का केस हो और दोनों पक्षों में समझौता हो गया हो। धोखाधड़ी का मामला हो और शिकायती व आरोपी के बीच समझौता हो जाए तो दोनों पक्षों के बीच समझौते का डॉक्यूमेंट तैयार होता है। उसमें लिखा जाता है कि दोनों पक्षों ने आपसी रजामंदी से केस में समझौता किया है और बिना किसी दबाव के शिकायती केस वापस लेना चाहता है। ऐसे मामले में हाई कोर्ट अर्जी से संतुष्ट होने पर केस रद्द करता है कि बिना किसी दबाव आपसी रजामंदी से केस वापस लिया जा रहा है। अगर कोर्ट संतुष्ट न हो तो अर्जी खारिज हो सकती है। इनमें दहेज प्रताड़ना, गैर इरादतन हत्या का प्रयास व जालसाजी आदि मामले आते हैं। कानूनी जानकार और दिल्ली हाई कोर्ट के वकील अमन सरीन बताते हैं कि गंभीर किस्म के मामले में समझौते के आधार पर केस खारिज नहीं होता है। जैसे रेप, मर्डर, डकैती, फिरौती के लिए अपहरण या महिलाओं के खिलाफ होने वाले सेक्सुअल ऑफेंस में हाई कोर्ट से भी केस रद्द नहीं होगा। ऐसे मामले में समझौते के आधार पर केस रद्द करने का कोई प्रावधान नहीं है। क्रिमिनल लॉयर विजय बिश्नोई बताते हैं कि 2012 में ज्ञान सिंह बनाम स्टेट ऑफ पंजाब के केस में सुप्रीम कोर्ट ने व्यवस्था दी थी कि रेप, डकैती और मर्डर के केस में समझौते के आधार पर केस रद्द नहीं हो सकता। उस फैसले के पहले रेप से संबंधित मामलों में लड़का और लड़की के बीच समझौते के आधार पर केस खारिज हुए थे। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने 2012 में जो फैसला दिया उसके बाद इन मामलों में केस रद्द नहीं हो सकता। दरअसल ऐसे अपराध को सिर्फ पीड़ित के खिलाफ किया गया अपराध नहीं माना गया है बल्कि समाज के खिलाफ किया गया अपराध माना गया है। इसी वजह से आरोपी और पीड़ित के बीच समझौते के आधार पर गंभीर किस्म के अपराध में केस रद्द नहीं हो सकता।

काबुल में भारत अब क्या करे

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

यह तो अच्छी बात है कि भारत सरकार की तालिबान से दूरी के बावजूद उन लोगों ने अभी तक भारतीय नागरिकों को किसी भी तरह का नुकसान नहीं पहुंचाया है। हमारा दूतावास सुरक्षित है। हमारे जहाज सुरक्षित हैं और हमारे लोगों को भी भारत लौटने दिया जा रहा है। भारत सरकार और हमारा उड्डयन मंत्रालय भी पर्याप्त सक्रिय हैं। यह ध्यान देने लायक है कि अमेरिका और यूरोपीय देशों की तरह अपने नागरिकों को काबुल से निकालने के लिए हमें फौजें नहीं भेजनी पड़ रही हैं। इन सब राष्ट्रों के तालिबान से सीधे और गोपनीय संपर्क बने हुए हैं, जिनका फायदा हमें अपने आप मिल रहा है। भारत सरकार अभी तक असमंजस में पड़ी हुई है। वह यह तय ही नहीं कर पा रही है कि काबुल के इस नए परिदृश्य से कैसे निपटे । उसका यह असमंजस स्वाभाविक है, क्योंकि जब पिछले दो साल से अमेरिका, चीन, रूस, तुर्की जैसे देश उनसे सीधी बात कर रहे थे तो हम अमेरिका के भरोसे बैठे रहे। अभी भी हमारे विदेश मंत्री जयशंकर न्यूयार्क में बैठकर संयुक्त राष्ट्र संघ में अपनी 25 साल पुरानी बीन ही बजा रहे हैं। उन्होंने सही बात कही है कि अब काबुल दुबारा आतंकवाद का शरण-स्थल नहीं बनना चाहिए लेकिन यह असली मुद्दा नहीं है। असली मुद्दा यह है कि काबुल में इस समय ऐसी सरकार कैसे बने, जो सर्वसमावेशी हो, जिसमें सभी 14-15 कबीलों और जातियों को प्रतिनिधित्व मिल जाए।

राजनीतिक दृष्टि से उसमें जाहिरशाही, खल्की, परचमी, नादर्न एलायंस, तालिबानी, हजारा और सभी छोटे-मोटे गुटों के लोग शामिल हो जाएं। लगभग 40 साल बाद काबुल में ऐसी सरकार बने, जैसी कभी दोस्त मोहम्मद, अमीर अब्दुर रहमान, अमानुल्लाह, जाहिरशाह या सरदार दाऊद की रही है। अफगानिस्तान में जब तक एक स्वतंत्र, आत्मनिर्भर और विदेशी दबाव से मुक्त सरकार नहीं बनेगी, वहां शांति और स्थिरता आ ही नहीं सकती। भारत ऐसी सरकार बनवाने में सार्थक भूमिका अदा कर सकता है। पिछले 200 साल में ब्रिटेन, रूस और अमेरिका को पठान धूल चटा चुके हैं। अब शायद चीन की बारी है। पाकिस्तान को मोहरा बनाकर यदि अब चीन अपनी चाल चलेगा तो वह भी मुँह की खाएगा। पाकिस्तान को अफगान चरित्र की खूब समझ है। इसीलिए वह कोशिश कर रहा है कि काबुल में एक सर्वसमावेशी सरकार बन जाए लेकिन यह आसान नहीं है। हम देख रहे हैं कि जलालाबाद में तालिबान और स्थानीय पठानों में जानलेवा भिड़त हो गई। सच्चाई तो यह है कि तालिबान का भी कोई अनुशासित एकरुप संगठन नहीं है। उनमें भी जगह-जगह खुदमुख्तार नेता सक्रिय हैं। वे मनमानी करते हैं। क्वेटा, शूरा, पेशावर शूरा और मिरान्शाह शूरा तो प्रसिद्ध हैं ही, गैर-पठान क्षेत्रों में भी तालिबान सक्रिय हैं। इसीलिए जहां-तहां वे हिंसा और तोड़फोड़ भी करते हुए दिखाई पड़ रहे हैं लेकिन कुल मिलाकर अभी हालत चिंताजनक नहीं हैं। काबुल और विदेशों में बसे कुछ अफगान नेताओं ने मुझे फोन पर बताया है कि उन्हें विश्वास नहीं हो रहा हैं कि तालिबान जैसी घोषणाएं कर रहा है, उन पर वे अमल करेंगे। यदि तालिबान का अमल 1996-2001 जैसा रहा तो इस बार उनका 4-5 साल चलना भी मुश्किल हो जाएगा। वे 1929 की बच्चा-ए-सक्का की 9 माह की सरकार की तरह अर्ग़ पर काबिज होंगे और जल्दी ही खिसक लेंगे।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश में जाटों के बाद गुर्जरों की भी नाराजगी देखकर भाजपा की चिंता बढ़ी

अजय कुमार

पश्चिमी उत्तर प्रदेश में जाट के बाद गुर्जर समाज सबसे प्रभावी भूमिका में है। जहां से गुर्जर समाज के दर्जनों विधायक और सांसद चुनकर आते हैं लेकिन हमेशा से भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में रहा गुर्जर समाज इस बार उपेक्षा के चलते किसान आंदोलन में सहभागी बन रहा है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश की राजनीति लगातार करवट बदल रही है। अभी तक भारतीय किसान यूनियन नये कषि कानून के विरोध में अलख जलाए हुई थी जिससे भाजपा को काफी नुकसान होने की अटकलें लगाई जा रही थीं। इसकी काट के लिए भाजपा ने भी 16 अगस्त से वेस्ट यूपी में आशीर्वाद यात्राएं शुरू कर दी हैं। बीजेपी नहीं चाहती है कि नये कषि कानून के विरोध के चलते जाट वोटर भाजपा से नाराज हो जाएंए इसके लिए भाजपा ने पश्चिमी यूपी में अपने सांसदोंध्विधायकों और नेताओं की फौज उतार दी। भाजपा की नजर जाट समुदाय को मनाने की हैए जाट मानेंगे या नहीं यह तो चुनाव के नतीजे ही बताएंगे लेकिन जिस तरह से मोदी.योगी सरकार जाट नेताओं के सामने दण्डवत हो रही है उससे पश्चिमी यूपी के गुर्जर नेता नाराज हो गए हैं। पश्चिमी यूपी में गुर्जर दूसरा सबसे सशक्त वोट बैंक है। गुर्जरों के खांटी नेता डॉण् यशवीर सिंह की राष्ट्रीय लोकदल ;रालोदद्ध में घर वापसी के बीच पांच सितंबर को मुजफ्फरनगर में होने वाली किसान महापंचायत पर योगी सरकार और भाजपा की पैनी नजर लगी हुयी है। यूपी में विधानसभा चुनाव में यूं तो अभी करीब आठ महीने का समय बाकी है लेकिन भाजपा समेत तमाम विपक्षी दलों ने अभी से तैयारियां शुरू कर दी हैं। लेकिन नये कषि कानून के खिलाफ जाट.गुर्जरों की एकजुटता ने भी भाजपा को बेचैन कर रखा है।

विधानसभा चुनाव में सत्ता बरकरार रखने के लिए भाजपा युद्धस्तर पर तैयारियों में जुट गई है। खासतौर से किसान बाहुल्य ग्रामीण क्षेत्रों में ष्आशीर्वाद यात्राष् निकाल रही है। भाजपा छोड़कर रालोद में वापसी करने वाले जेएनयू के प्रोफेसर और अखिल भारतीय खादी ग्रामोद्योग बोर्ड के चेयरपर्सन रहे डॉण् यशवीर सिंह गांव.गांव जाकर दिन.रात एक किए हुए हैं। लंबे समय से दिल्ली के विभिनन क्षेत्रों में आंदोलनरत किसान अब गांव में जमीनी स्तर पर भी संगठित होकर आंदोलन की भूमिका तैयार कर रहे हैं। इसके तहत भारतीय किसान यूनियन के आह्वान पर आगामी पांच सितंबर को मुजफ्फरनगर में बड़ी किसान महापंचायत होने जा रही है। बहरहाल पश्चिमी उत्तर प्रदेश में जाट समाज के साथ ही गुर्जर समुदाय भी लामबंद होना शुरू हो गया है। इसी कड़ी के तहत भारतीय किसान यूनियन ;अराजनैतिकद्ध से जुड़े गुर्जर नेताओं ने गुर्जर बहुल क्षेत्र अमरोहाए बिजनौर एवं मुरादाबाद में किसानों से जनसंपर्क कर पांच सितंबर को भारी तादाद में मुजफ्फरनगर पहुंचने की अपील की है। अब यह तो भविष्य ही तय करेगा कि किसान राजनीति विधानसभा चुनाव में कितनी असरकारक साबित होगी।

गौरतलब है कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में जाट के बाद गुर्जर समाज सबसे प्रभावी भूमिका में है। जहां से गुर्जर समाज के दर्जनों विधायक और सांसद चुनकर आते हैं लेकिन हमेशा से भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में रहा गुर्जर समाज इस बार उपेक्षा के चलते किसान आंदोलन में सहभागी बन रहा है। इसका उदाहरण गाजीपुर बॉर्डर सहित विभिनन स्थलों पर किसान आंदोलन को ताकत देने का काम गुर्जर समाज द्वारा भी किया जा रहा है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश की राजनीति के गुर्जर समाज के कद्दावर नेता रहे बाबू हुकम सिंह और चौधरी यशपाल सिंह के बाद तीसरा सबसे बड़ा राजनीतिक घराना जसाला परिवार का रहा है। जसाला परिवार से वीरेंद्र सिंह छह बार विधायकए सदस्य विधान परिषद व प्रदेश शासन में कैबिनेट मंत्री रहे हैं। वह भाजपा के मजबूत स्तंभ के रूप में भारतीय किसान यूनियन के गढ़ शामली में जिला पंचायत अध्यक्ष व विभिनन ब्लॉक प्रमुख प्रत्याशियों को जिताने में कामयाब रहे हैं और उन्होंने भाजपा की वहां साख बचाने का बड़ा काम किया है। लेकिन दूसरी ओर वीरेंद्र सिंह जैसे कद्दावर नेता को भाजपा सरकार में हाशिए पर रखा गया है। उन्हें राज्यसभा भेजने की उम्मीद गुर्जर समाज पाले हुए था। वह पूरी नहीं हो सकी है। यहां तक कि वीरेंद्र सिंह जैसे कद्दावर नेता को विधान परिषद का सदस्य भी नहीं बनाया गया। इसके चलते पश्चिमी उत्तर प्रदेश के गुर्जर समाज में भाजपा के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है।

गुर्जर समाज की नाराजगी का कारण है कि उत्तर प्रदेश सरकार में जहां कभी कई.कई कैबिनेट मंत्री और राज्यमंत्री गुर्जर समाज से होते थेए वहीं इस समय मात्र एक राज्यमंत्री का होना गुर्जर समाज के गले नहीं उतर रहा है। इसी के चलते गुर्जर समाज सत्तारुढ़ भाजपा की घोर उपेक्षा से आहत होकर किसान आंदोलन में सहभागी बनने जा रहा है। इसकी बानगी गुर्जर समाज के प्रबुद्ध चिंतक व अखिल भारतीय गुर्जर समाज महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉण् यशवीर सिंह की राष्ट्रीय लोक दल में वापसी के रूप में देखी जा सकती है। उनके आने से पश्चिमी उत्तर प्रदेश के राजनीतिक समीकरण बदल गए हैं। सियासत के जानकार कहते हैं कि यशवीर सिंह के रूप में रालोद प्रमुख जयंत चौधरी को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में गुर्जर समाज की एक बड़ी ताकत साथ मिली है। वहीं दूसरी ओर समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव को भी पिछले दिनों गुर्जर नेता अतुल प्रधान के आह्वान पर मवाना में आयोजित प्रथम स्वतंत्रता आंदोलन के महानायक कोतवाल धन सिंह गुर्जर की मूर्ति के अनावरण के बहाने गुर्जर समाज अपनी ताकत का एहसास करा चुका है। कुल मिलाकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश में जाट के पश्चात गुर्जर समाज के बीच से भारतीय जनता पार्टी की दिनोंदिन पड़ती ढीली पकड़ पर अंकुश नहीं लगा तो चौधरी चरण सिंह के नारे ष्अजगरष् अर्थात् अहीरए गुर्जरए जाटए राजपूत का गठजोड़ मुस्लिम वर्ग के साथ मिलकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक प्रभावी असर दिखाते हुए भाजपा को निगल नहीं जाए।

एमएस धोनी और सुरेश रैना की मौजूदगी में सीएसके के मैनेजर रसेल ने मनाया अपना बर्थडे

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2021 के दूसरे चरण के किए टीमें यूएई में पहुंच रही हैं। जिन टीमों की क्वारंटाइन अवधि खत्म हो गई है उन्होंने प्रैक्टिस शुरू कर दी है। इस लिस्ट में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी वाली चेन्नई सुपर किंग्स का नाम भी शामिल है। यूएई में चेन्नई सुपर किंग्स ने प्रैक्टिस से ब्रेक लेते हुए अपने फ्रेंचाइजी मैनेजर रसेल राधाकृष्णन का जन्मदिन मनाया। आईपीएल के पहले सीजन से साथ खेल रहे कप्तान महेंद्र सिंह धोनी और उपकप्तान सुरेश रैना ने केक काटते समय रसेल के साथ खड़े थे। चेन्नई सुपर किंग्स ने अपने आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर अपने फ्रेंचाइजी मैनेजर के जन्मदिन का वीडियो डाला। थोड़ी ही देर में यह वीडियो वायरल हो गया। फैन्स को धोनी और रैना जैसे सीनियर खिलाड़ियों का ये विनम्र स्वभाव काफी पसंद आ रहा है। इस वीडियो में कप्तान धोनी 'बर्थडे बॉय' को बधाई देते हुए नजर आ रहे हैं। इसके बाद 'बर्थडे बॉय' रसेल राधाकृष्णन ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर सभी का शुक्रिया अदा करते हुए लिखा, 'आप सभी के अच्छे मैसेज और आशीर्वाद के लिए बेहद शुक्रिया, मैं बहुत सौभाग्यशाली हूं कि इस शानदार दिन को मैंने अपने भाइयों के बीच गुजारा।' इसके साथ ही उन्होंने पूरी टीम के साथ एक वीडियो भी पोस्ट किया। आईपीएल 2021 का दूसरा चरण 19 सितंबर से खेला जाना है। पहला मैच चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस के बीच दुबई के दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। आईपीएल से पहले चेन्नई सुपर किंग्स के लिए अच्छी खबर ये है कि उसके तेज गेंदबाज जॉश हेजलवुड ने इस चरण में खेलने के लिए उपलब्ध हो गए हैं। उन्होंने इस आईपीएल के पहले चरण से अपना नाम वापस ले लिया था।

भारत की पेस बैट्री ने जीता ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज का दिल, कहा- वर्ल्ड में टीम इंडिया के पास है बेस्ट बॉलिंग लाइनअप

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की तेज गेंदबाजी आक्रमण इस समय इंग्लैंड दौरे पर अपना कहर बरपा रही है। भारतीय टीम इंग्लैंड के साथ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेल रही है। पहले दो मैच के बाद भारत के पास सीरीज में 1-0 की लीड है और दोनों टीमों के बीच तीसरा टेस्ट 25 अगस्त से लीड्स के हेडिंग्ले में खेला जाना है। भारतीय तेज गेंदबाजों ने इस इंग्लैंड दौरे पर 40 में से अब तक 39 विकेट चटकाए हैं। भारतीय तेज गेंदबाजों के इस प्रदर्शन से ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा भी काफी एम्प्रेस हुए हैं। ख्वाजा का मानना है कि मौजूदा भारतीय तेज गेंदबाजी लाइनअप दुनिया में सबसे बेस्ट है। उन्होंने तारीफ की। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि भारतीय गेंदबाजी लाइनअप इस समय वर्ल्ड की सबसे बेस्ट गेंदबाजी लाइनअप है। हां, दुनिया में और भी शानदार गेंदबाज हैं, इस टीम की गेंदबाजी लाइनअप अविश्वसनीय है। जसप्रीत बुमराह अभी वर्ल्ड के बेस्ट गेंदबाजों में से एक हैं। अजीब एक्शन, शानदार बाउंसर, बेहतरीन स्किल्स, धीमी गेंद। वह जीनियस हैं और अभी एक तरह की गेंदें करते हैं। ईशांत शर्मा एक स्किल्स गेंदबाज हैं। साथ ही वह शानदार लेंथ से भी गेंदबाजी करते हैं। वह काफी लंबे समय से खेल रहे हैं और ऐसे में उनका अनुभव सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने मोहम्मद शमी की भी तारीफ करते हुए कहा, 'मेरा मानना है कि दुनिया में जिस गेंदबाज को सबसे कम आंका जाता है, वह मोहम्मद शमी है। जितना आप सोचते हैं, वह वास्तव में उससे ज्यादा तेज हैं। उनका स्किल्स हमेशा से शानदार रहता है। मुझे लगता है कि उनके बारे में बहुत कम ही लोग बात करते हैं। वह एक बेहतरीन गेंदबाजी लाइनअप का हिस्सा हैं। ख्वाजा ने मोहम्मद सिराज को एक स्किलफुल गेंदबाज बताते हुए कहा, ' सिराज हमेशा अपनी लाइन और लेंथ के साथ चिपके रहते हैं। यही चीज बल्लेबाजों को परेशान में डालता है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी काफी अच्छी गेंदबाजी की थी। मैं तो उन्हें पहली नजर में ही पहचान गया था कि वह कितने अच्छे गेंदबाज हैं।

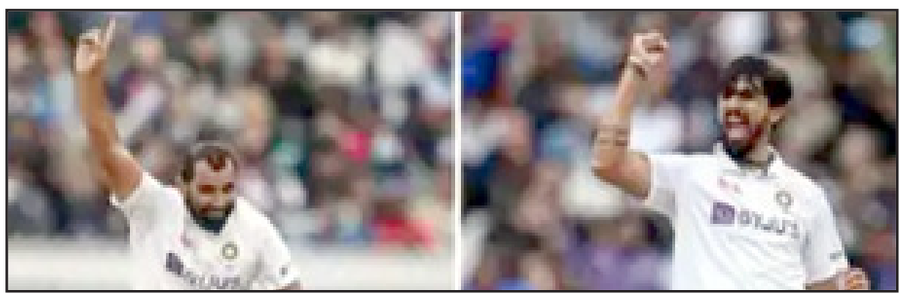

साथ ही भारतीय गेंदबाजी लाइनअप को अविश्वसनीय बताया है।ख्वाजा ने अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए सबसे पहले यॉर्करमैन जसप्रीत बुमराह और ईशांत शर्मा की जमकर

तालिबानी लीडर अनस हक्कानी से मिले अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान, दिया भरोसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद अफगानिस्तान क्रिकेट के भविष्य पर भी सवाल उठ रहे हैं। इसी बीच तालिबान नेता अनस हक्कानी ने शनिवार को अफगानिस्तान की नेशनल क्रिकेट टीम के कप्तान हशमतुल्ला शाहिदी से मुलाकात की। इस मीटिंग में तालिबान के लीडर अनस हक्कानी ने क्रिकेट को समर्थन की पुष्टि की है। यह कहते हुए कि इस्लामिक अमीरात ने अफगानिस्तान में क्रिकेट की नींव रखी, अनस हक्कानी ने हशमतुल्ला शाहिदी और अफगानिस्तान क्रिकेट टीम और सिलेक्शन बोर्ड के सदस्यों के साथ बातचीत की। तालिबान के साथ मीटिंग में अफगान क्रिकेटर नूर अली जादरान और क्रिकेट बोर्ड के पूर्व सिलेक्ट समिति के अध्यक्ष असदुल्ला खान भी शामिल थे। अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के साथ तालिबान की ये मुलाकात चरमपंथी समूह के पूर्व कप्तान असगर अफगान से मुलाकात के कुछ दिनों बाद हुई है। इस मुलाकात की जो तस्वीरें सामने आई हैं, उसमें तालिबान कमांडो को अफगानिस्तान के पूर्व कप्तान असगर अफगान के साथ दावत देते और सेल्फी लेते हुए भी देखा गया। इस बीच अफगानिस्तान के फ्रंटलाइन क्रिकेट खिलाड़ियों ने अपने देश में तालिबान के नेतृत्व में चल रहे अत्याचारों पर चिंता व्यक्त की है। अफगानिस्तान के राशिद खान, मोहम्मद नबी और मुजीब जॉर्डन जैसे स्टार खिलाड़ी मौजूदा समय में 'द हंड्रेड' में खेलने के लिए यूके में हैं। इन खिलाड़ियों ने दुनिया के नेताओं से युद्धग्रस्त राष्ट्र की मदद करने की अपील की है। गौरतलब है कि काबुल पर कब्ज़ा करने के बाद हथियारों से लैस तालिबान कमांडो खेल के लिए अपने प्यार का इजहार करने के लिए अफगान क्रिकेट बोर्ड मुख्यालय में घुस गए थे।

2016 में टीम को चैंपियन बनाने वाले कप्तान डैरेन सैमी ने जताया भरोसा

इस बार भी होगा टी-20 वर्ल्ड कप पर वेस्टइंडीज का कब्जा

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2016 टी-20 विश्व कप में अपनी कप्तानी में इंग्लैंड को हराकर वेस्टइंडीज को दूसरी बार चैंपियन बनाने वाले कप्तान डैरेन सैमी को भरोसा जताया है कि कैरेबियाई टीम अपने खिताब का बचाव करने में सफल रहेगी। सैमी ने कहा कि उनके लिए इसमें दिमाग लगाने जैसा कुछ नहीं है, वेस्टइंडीज की टीम चैंपियन बनेगी। वेस्टइंडीज ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया को पांच मैचों की टी-20 सीरीज में 4-1 से रौंदा था। टी-20 वर्ल्ड कप की शुरुआत 17 अक्टूबर से होनी है और टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला 14 नवंबर को खेला जाएगा।

आईसीसी के डिजिटल कार्यक्रम में बात करते हुए सैमी ने कहा, 'मेरे लिए इसमें दिमाग लगाने जैसा कुछ नहीं है, वेस्टइंडीज की टीम चैंपियन बनेगी। जब आप वेस्टइंडीज को देखते हैं तो लोग कह सकते हैं कि मैं पक्षपाती लग रहा हूं, लेकिन पिछले चार (तीन) टूर्नामेंटों में हम अंतिम चार में पहुंचने में सफल रहे हैं, जिसमें से दो में जीत हासिल की है। हमारे खिलाड़ियों की क्षमता को आप देख सकते हैं। कप्तान कीरोन पोलार्ड वापस आ गए हैं, यूनिवर्स बॉस क्रिस गेल, आंद्रे रसेल, जेसन होल्डर, फैबियन एलन, एविन लुईस, मैं उन लोगों की लंबी सूची बना सकता हूं जो बस अपने दम पर मैच का रुख बदल सकते है। वेस्टइंडीज की टीम सैमी की कप्तानी में 2012 और 2016 में इस फॉर्मेट की विश्व चैंपियन बनी थी। इस 37 साल के खिलाड़ी ने कहा कि इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया की टीमें भी यूएई और ओमान में अच्छा प्रदर्शन कर सकती हैं। उन्होंने कहा, 'जब आप इंग्लैंड की टीम को देखते है तो वे टी-20 क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। विश्व कप के दो स्थल ऐसे है जहां पिचें भारत और कैरेबियाई देशों की तरह होगी। ऐसी परिस्थितियों में वे एक बार चैम्पियन बने हैं और एक बार उपविजेता रहे हैं। उनके खिलाड़ी इन परिस्थितियों से अच्छे से सामंजस्य बैठाते हैं। ऑस्ट्रेलिया की टीम अब तक इस खिताब को हासिल करने में नाकाम रही है। वे इसे जीतने के लिए बेताब होंगे। उनके खिलाड़ियों के पास क्षमता है, बहुत सारे खिलाड़ी हैं जो आईपीएल में खेलते हैं। वह इन परिस्थितियों को समझते हैं।

आईपीएल के दूसरे चरण में हिस्सा लेने दिल्ली कैपिटल्स की टीम दुबई पहुंची

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स के कुछ सदस्य शनिवार आईपीएल 2021 के बाकी मैचों में हिस्सा लेने के लिए संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) पहुंचे। दिल्ली कैपिटल्स ने रविवार को दुबई पहुंचे खिलाड़ियों की तस्वीरें मीडिया के साथ साझा की हैं। फ्रेंचाइजी के मुताबिक लेग स्पिनर अमित मिश्रा, ऑल राउंडर ललित यादव और घरेलू खिलाड़ी लुकमान मेरीवाला, मणिमारन सिद्धार्थ, रिपल पटेल और विष्णु विनोद दुबई पहुंच गए हैं। ये खिलाड़ी अब भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और आईपीएल की ओर से बनाए गए कोरोना संबंधी प्रोटोकॉल का पालन करते हुए क्वारंटीन में रहेंगे। गौरतलब है कि दिल्ली कैपिटल्स 22 सितंबर को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले से आईपीएल के दूसरे चरण की शुरुआत करेगा। दिल्ली कैपिटल्स की टीम के साथ अभी कुछ घरेलू क्रिकेटर और सपोर्ट स्टाफ ही दुबई पहुंचे हैं। टीम के बांकी खिलाड़ी अपने अलग-अलग इंटरनेशनल दौरों को खत्म करने के बाद जुड़ेंगे। आईपीएल 2021 के पहले फेज में टीम की अगुवाई करने वाले ऋषभ पंत इस समय इंग्लैंड में हैं। टीम इंडिया और इंग्लैंड के बीच पांच टेस्ट मैचों की सीरीज यहां खेली जा रही है।

यूएई जाने से पहले ही कहीं बिगड़ ना जाए आरसीबी का खेल

वानिंदु हसरंगा और दुष्मंत चमीरा के खेलने पर लटकी तलवार

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2021 के दूसरे फेज के लिए रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की टीम ने श्रीलंका के ऑलराउंडर वानिंदु हसरंगा और तेज गेंदबाज दुष्मंत चमीरा को रिप्लेसमेंट के तौर पर टीम में शामिल किया है। हालांकि, आरसीबी के इस ऐलान के एक दिन बाद ही श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने टीम की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। बोर्ड का कहना है कि इन दोनों ही खिलाड़ियों ने उनसे आईपीएल 2021 में खेलने की परमिशन नहीं ली है और ना ही उनके बैंगलोर टीम में शामिल होने की जानकारी उनके पास है। श्रीलंका बोर्ड के इस बयान ने हसरंगा और चमीरा के आईपीएल में खेलने पर सस्पेंस कायम कर दिया है। 'क्रिकबज' की खबर के अनुसार श्रीलंका के क्रिकेट सेक्रेटरी मोहन डी सिल्वा ने हसरंगा और चमीरा के आईपीएल में खेलने को लेकर कहा, 'मुझे नहीं पता, मुझे चेक करना होगा। हम इस महीने के अंत तक लॉकडाउन में हैं। हमने इस पर कोई फैसला नहीं किया है, क्योंकि उन्होंने अभी तक एनओसी के लिए अप्लाई नहीं किया है। हमको इस बात की जानकारी नहीं है कि इन प्लेयरों का सिलेक्शन हुआ है, ना ही उन्होंने हमसे परमिशन ली है।' हसरंगा को एडम जाम्पा की रिप्लेसमेंट के तौर पर आरसीबी ने टीम में शामिल किया है, जबकि दुष्मंत चमीरा डैनियल सैम्स की जगह लेंगे। टीम ने सिंगापुर के बल्लेबाज टिम डेविड को भी टीम से जोड़ा है, जो फिन एलेन के स्थान पर यूएई में खेलते नजर आएंगे। वानिंदु हसरंगा का प्रदर्शन भारत के खिलाफ खेली गई वनडे और टी-20 सीरीज में बेहद शानदार रहा था। हसरंगा ने वनडे में 3 और तीन टी-20 मैचों में कुल 7 विकेट अपने नाम किए थे। यूएई की कंडिशंस में हसरंगा बैंगलोर की टीम के लिए ट्रंप कार्ड साबित हो सकते हैं। हालांकि, श्रीलंका बोर्ड के इस बयान के बाद हसरंगा और चमीरा के खेलने पर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। आईपीएल 2021 के स्थगित होने से पहले आरसीबी ने खेले 7 मैचों में से 5 में जीत हासिल की थी, जबकि 2 में टीम को हार का सामना करना पड़ा था।

आकाश चोपड़ा ने बताया, क्यों वानिंदु हसरंगा है आरसीबी के लिए राइट चॉइस

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2021 के दूसरे चरण के लिए श्रीलंका के ऑलराउंडर वानिंदु हसरंगा को साइन करने के रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के फैसले का समर्थन किया है। आईपीएल का दूसरा चरण यूएई में 9 सितंबर से शुरू हो रहा है। चोपड़ा ने आरसीबी के लिए हसरंगा को चुनाव को अभूतपूर्व बताया। यूएई का दूसरा चरण 19 सितंबर से यूएई में शुरू हो रहा है। आरसीबी आईपीएल 2021 में 10 प्वॉइंट के साथ प्वॉइंट टेबल में तीसरे नंबर पर है। यूट्यूब पर अपलोड अपने नए वीडियो में आकाश ने कहा,' एडम जाम्पा वहां नहीं है, इसलिए वे(आरसीबी) हसरंगा को लेकर आए। दिलचस्प बात यह है कि पहले उनकी उपलब्धता को लेकर संदेह था और इसलिए नीलामी में उन्हें नहीं चुना गया। लेकिन सभी का मानना था कि उन्हें चुना जाना चाहिए था क्योंकि उन्होंने जब भी टी-20 क्रिकेट खेला है, चाहे देश के लिए हो या नहीं, अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने श्रीलंका में शानदार काम किया। जिस भी मैच में खेले, योगदान दिया। मुझे लगता है कि एक अभूतपूर्व समावेश है। आप चाहें तो चहल के साथ हसरंगा को भी खिला सकते हैं। आप दो कलाई के स्पिनरों के साथ जा सकते हैं। हसरंगा टी-20 फॉर्मेट में दूसरे नंबर के गेंदबाज हैं। हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ खेली गई टी-20 सीरीज में उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने तीसरे टी-20 में 4 विकेट लेने के साथ ही कुल 7 विकेट लिए। उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया। गौरतलब है कि आरसीबी ने श्रीलंका के ऑलराउंडर वानिंदु हसरंगा, दुष्मंत चमीरा और टिम डेविड को टीम में जगह दी है। हसरंगा को एडम जाम्पा के स्थान पर टीम में रखा गया है, जबकि फिन एलेन की जगह पर टिम डेविड खेलते हुए नजर आएंगे।

श्रीलंका में लॉकडाउन लगने से पाकिस्तान और अफगानिस्तान को लगा झटका, ओडीआई सीरीज पर मंडराया संकट

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच अगले महीने की शुरुआत से तीन मैचों की वनडे सीरीज होनी है। अफगानिस्तान में तालिबान का कब्जा होने के बाद पहले से ही इस सीरीज पर संकट के बादल मंडरा रहे थे और अब दोनों देशों के बीच होने वाली इस सीरीज पर जारी संकट और ज्यादा गहरा गया है। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच यह सीरीज न्यूट्रल स्थान पर होनी थी। इसके लिए श्रीलंका को चुना गया था। लेकिन अब श्रीलंका में भी लॉकडाउन लागू कर दिया गया है। ऐसे में दोनों टीमों के बीच प्रस्तावित इस सीरीज पर और ज्यादा संकट गहरा गया है। यह सीरीज आईसीसी वर्ल्ड कप सुपर लीग का हिस्सा है। श्रीलंका में 10 दिन का लॉकडाउन लगा दिया गया है। यह लॉकडाउन पूरे श्रीलंका में लगाया गया है। इसे देखते हुए पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच होने वाली वनडे सीरीज का होना तय नहीं लग रहा है। इससे पहले, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने इस सीरीज को अपने देश में कराने का अफगानिस्तान को ऑफर दिया था। लेकिन अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने इसे रिजेक्ट कर दिया था। दोनों टीमों के बोर्ड को हालांकि उम्मीद है कि यह सीरीज तय शेडयूल के मुताबिक खेली जाएगी। बोर्ड के प्लान के अनुसार, एसीबी चाहती है कि इस सीरीज को न्यूट्रल मैदान पर आयोजित किया जाए।

लॉर्ड्स के बाद अब तीसरे टेस्ट में जसप्रीत बुमराह लगाएंगे खास शतक, कपिल देव समेत तीन दिग्गज को छोड़ेंगे पीछे

नई दिल्ली (एजेंसी)। लॉर्ड्स टेस्ट में पहले बल्ले और फिर गेंद से कहर बरपाने वाले जसप्रीत बुमराह के पास इंग्लैंड के खिलाफ खेले जाने वाले तीसरे टेस्ट मैच में एक खास मुकाम हासिल करने का सुनहरा मौका होगा। बुमराह इतिहास रचने की दहलीज पर खड़े हैं और वह लीड्स टेस्ट में 5 विकेट चटकाने के साथ ही टेस्ट क्रिकेट में भारत की तरफ से सबसे तेज 100 विकेट लेने वाले गेंदबाज बन जाएंगे। बुमराह अगर ऐसा करने में सफल रहते हैं तो वह कपिल देव, वेंकटेश प्रसाद और मनोज प्रभाकर जैसे दिग्गज खिलाड़ियों को पीछे छोड़ देंगे। जसप्रीत बुमराह ने अबतक 22 टेस्ट मैचों में 22.62 की औसत से 95 विकेट चटकाए हैं और वह टेस्ट क्रिकेट में 100 विकेट लेने से महज 5 विकेट दूर हैं। भारत को 1983 में अपनी कप्तानी में पहली बार वर्ल्ड कप जिताने वाले कपिल देव ने अपने 25वें टेस्ट मैच में 100 विकेट पूरे किए थे। यानी बुमराह अगर तीसरे टेस्ट में 5 विकेट हासिल करने में सफल रहते हैं तो वह 23वें टेस्ट में विकेटों का शतक पूरा कर लेंगे। बुमराह लीड्स में दो विकेट लेने के साथ ही वेंकटेश प्रसाद और मनोज प्रभाकर को भी पीछे छोड़ देंगे। भारत के इन दोनों पूर्व तेज गेंदबाजों ने टेस्ट में 96 विकेट लिए थे। बुमराह ने दूसरे टेस्ट मैच में मोहम्मद शमी के साथ मिलकर दूसरी पारी में 9वें विकेट के लिए 89 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी की थी। इसके साथ ही उन्होंने इंग्लिश पारी को 120 रनों पर समेटने में भी अहम योगदान दिया था।

पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने फवाद आलम को क्यों किया सलाम

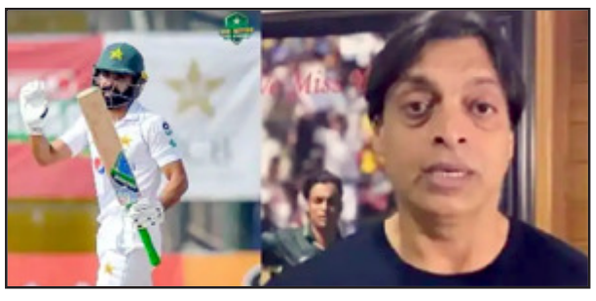

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान की टीम इन दिनों वेस्टइंडीज दौरे पर है। दूसरे टेस्ट में पाकिस्तान की हालत खस्ता हालत थी लेकिन कप्तान बाबर आजम ने फवाद आलम के साथ मिलकर टीम को संकट से उबार लिया। पाकिस्तान के बाएं हाथ के बल्लेबाज फवाद आलम ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 76 रन बनाए। उनकी इस बल्लेबाजी की काफी प्रशंसा हो रही है। क्रिकेट जगत के कई पूर्व खिलाड़ियों ने उनके बल्लेबाजी की सराहना की है। इस लिस्ट में शोएब अख्तर का नाम भी शामिल हो गया है। पाकिस्तान के इस पूर्व तेज गेंदबाज ने क्रिकेट के प्रति उनके समर्पण को सलाम किया है। अपने यूट्यूब चैनल पर इस तेज गेंदबाज ने आलम की तारीफ करते हुए कहा, 'फवाद जीनियस हैं। उन्होंने टीवी भी की, क्रिकेट भी खेला और हर जगह अच्छा प्रदर्शन किया। 11 साल टीम से बाहर रहने के बाद भी वे पाकिस्तान के लिए काफी जिम्मेदारी से खेलते हैं। उन्हें सलाम।' शोएब ने मानसिक रूप से मजबूती बनाए रखने के लिए आलम की सराहना की। उनके अच्छे प्रदर्शन के बाद भी जब चयनकर्ताओं ने फवाद आलम से मुंह फेर लिया तो उन्होंने अभिनेता के रूप में अपने करियर की शुरुआत की। 2009 में इस कराची के बल्लेबाज ने श्रीलंका के खिलाफ अपने टेस्ट करियर का पहला शतक जड़ा था। उसके बाद दो पारियों में कम रन बनाने के कारण उन्हें टीम से निकाल दिया गया था। इसके बाद उन्होंने घरेलू क्रिकेट में ढेरों रन बनाए लेकिन फिर भी टीम में उनकी वापसी नहीं हो सकी।

डेड बॉडी के साथ भी सेक्स करते हैं तालिबानी, बचकर निकली महिला पुलिसकर्मी ने बताई खौफनाक सच्चाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक सप्ताह पहले अफगानिस्तान पर कब्जा करने वाले तालिबान की क्रूरता और दरिंदगी से दुनिया वाकिफ है। महिलाओं पर उनका अत्याचार भी नया नहीं है। तालिबान के हत्थे चढ़ने से पहले भागकर भारत आई एक महिला ने कट्टरपंथियों को लेकर जो खुलासा किया है वह बेहद घिनौना और चौंकाने वाला है। महिला ने आरोप लगाया कि तालिबानी इतने वहशी हैं कि लासों के साथ भी सेक्स करते हैं। साथ ही वह अफगानिस्तान के हर घर से एक लड़की चाहते हैं। अफगानिस्तान से आकर दिल्ली में रह रही मुस्कान नाम की एक महिला ने नेटवर्क 18 से बातचीत में ये बातें कही हैं। कभी पुलिस में रही मुस्कान को तालिबान के खौफ की वजह से अफगानिस्तान छोड़ना पड़ा। उसने कहा, ''हमें वहां धमकाया जाता था कि आप काम पर जाओगे तो आपकी फैमिली खतरे में है, आप खतरे में हैं।

'मौत के मुंह' से निकलने की खुशी! काबुल से उड़ते ही 'भारत माता की जय' से गूंजा भारतीय यात्रियों का विमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान अब तालिबानी कब्जे में है। वहां रह रहे हर भारतीय भी अब स्वदेश लौटना चाहते हैं। सरकार ने भी कोशिशें तेज कर दी है। अब हर दिन दो विमान भेजने की तैयारी है, जिसकी इजाजत अमेरिका ने दे दी है। आपको बता दें कि काबुल एयरपोर्ट फिलहाल पूरी तरह से अमेरिकी सैनिकों के कंट्रोल में है। विदेश मंत्री एस जयशंकर की पहल पर अमेरिका ने रोजाना दो भारतीय विमानों की लैंडिंग और उड़ान की मंजूरी दी है। शनिवार को भी भारतीयों का एक जत्था भारत लौटा है। संकटग्रस्त अफगानिस्तान से लौटना मानो मौत के मुंह से लौटने जैसी बात है। इस कारण उनकी खुशी देखते ही बन रही थी। काबुल से निकाले गए भारतीयों ने विमान में 'भारत माता की जय' के नारे लगाए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने ट्वीट कर कहा, ठजुबिलेंट अपने घर की यात्रा पर निकलेठ।

आपको बता दें कि शनिवार को 87 भारतीयों और 2 नेपाली नागरिकों को लेकर फ्लाइट काबुल से भारत के लिए उड़ान भरी। बीच में ईंधन के लिए ताजिकिस्तान में लैंडिंग हुई थी। बागची ने ट्वीट कर कहा, ठअफगानिस्तान से भारतीयों को घर लाना!ि घ् 1956 विमान 87 भारतीयों को लेकर ताजिकिस्तान से नई दिल्ली के लिए रवाना हुआ है। दो नेपाली नागरिकों को भी निकाला गया। अफगानिस्तान में फंसे भारतीयों की सुरक्षित वापसी के लिए भारत को प्रतिदिन दो उड़ानें संचालित करने की अनुमति दे दी गई है। सरकारी सूत्रों ने बताया कि काबुल हवाई अड्डे से दो भारतीय विमानों को संचालित करने की अनुमति दी जाएगी। 15 अगस्त को अफगानिस्तान पर कब्जा जमाने के बाद काबुल के हामिद करजई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के संचालन और नियंत्रण की जिम्मेदारी अमेरिकी और उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) बलों को दी गई है। उनके द्वारा कुल 25 उड़ानें संचालित की जा रही हैं, क्योंकि वे वर्तमान में अपने नागरिकों, हथियारों और उपकरणों को निकालने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।अब तक काबुल से लगभग 300 नागिरकों को वापस लाया जा चुका है। भारत इस समय ताजिकिस्तान और कतर के रास्ते से अपने नागिरकों को एयरलिफ्ट कर रहा है। बता दें कि भारत सी-130जे विमान से काबुल से भारतीयों को वापस ला रहा है। विमान रविवार को दिल्ली के निकट हिंडन वायुसैनिक अड्डे पर पहुंचेगा। अफगानिस्तान में लौटे एक भारतीय नागरिक का कहना है कि अफगानिस्तान में लोगों के बीच तालिबान की काफी दहशत है। भारतीय नागरिक सुब्रत काबुल में 15 अगस्त को तालिबान के प्रवेश से कुछ घंटे पहले ही नई दिल्ली के लिए विमान में सवार हुए थे। बताया कि विमान के उड़ान भरते ही उन्होंने ईश्वर को धन्यवाद दिया था।

अफगानिस्तान से भारत लौट रहे लोगों को लगाया जा रहा पोलियो का टीका

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान तालिबान के कब्जे में है। इस बीच केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने रविवार को कहा कि भारत ने अफगानिस्तान से लौट रहे लोगों को एहतियाती उपाय के तहत पोलियो रोधी टीका निःशुल्क लगाने का फैसला किया है। स्वास्थ्य मंत्री ने ट्विटर पर एक तस्वीर भी साझा की है, जिसमें युद्धग्रस्त देश से लौटे लोगों को दिल्ली के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर टीका लगवाते हुए देखा जा सकता है। दुनिया में अफगानिस्तान और पाकिस्तान ही ऐसे दो देश हैं जहां पोलियो अब भी 'एन्डेमिक (किसी विशेष स्थान या व्यक्ति वर्ग में नियमित रूप से पाया जाने वाला रोग) है।मांडविया ने ट्वीट किया, ङ्कहमने अफगानिस्तान से लौट रहे लोगों को वाइल्ड पोलियो वायरस के खिलाफ एहतियातन निःशुल्क पोलियो रोधी टीका - ओपीवी एवं एफआईपीवी लगाने का फैसला किया है।ङ्क उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने के लिए स्वास्थ्य टीम को उनके प्रयास के लिए बधाई। भारत ने अफगानिस्तान की राजधानी में खराब होती सुरक्षा स्थिति के बीच 107 भारतीयों समेत 168 लोगों को रविवार को काबुल से एक सैन्य विमान के जरिए निकाला। एक हफ्ते पहले तालिबान ने काबुल पर कब्जा कर लिया था। भारत ने इससे पहले भारतीय राजदूत और काबुल में अपने दूतावास के अन्य कर्मचारियों समेत 200 लोगों को भारतीय वायु सेना के परिवहन विमान सी-17 के जरिए वहां से निकाला था।

जातीय जनगणना पर कल नीतीश करेंगे पीएम मोदी से बात, उससे पहले कर्नाटक के सीएम ने कह दी बड़ी बात

बेंगलुरू (एजेंसी)। जाति आधारित जनगणना की मांग को लेकर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से 23 अगस्त को मिलने वाला है। इससे पहले कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने बड़ा बयान दिया है। उनका कहा है कि हर कोई प्रधानमंत्री या किसी अन्य व्यक्ति से मिलने के लिए आजाद है। बोम्मई ने आगे कहा कि यह मामला कोर्ट के साथ-साथ वर्ग आयोग के सामने लंबित है। हम इसकी जांच कर

रहे हैं। इससे पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को कहा था कि जातीय जनगणना पर बिहार में सत्ता और विपक्ष साथ हैं। सभी दलों ने सहमति जताई है। मेरे साथ दस पार्टियों के नेता दिल्ली जा रहे हैं। हमलोग अपनी बात ठीक ढंग से प्रधानमंत्री के समक्ष रखेंगे। उम्मीद है कि प्रधानमंत्री इसपर सकारात्मक रुख अपनाएंगे। मुख्यमंत्री शनिवार को समस्तीपुर के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के दौरे से लौटने के क्रम में पटना एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बात कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रविवार की शाम वे लोग दिल्ली जाएंगे। 23 अगस्त को 11 बजे दिन में प्रधानमंत्री से मुलाकात का समय तय है। अगर केन्द्र सरकार जातीय जनगणना के लिये तैयार नहीं हुई तो क्या बिहार सरकार जातीय जनगणना खुद से करायेगी इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि वो तो हम लोगों ने पहले भी कहा है कि अगर पूरे देश के लिये जातीय जनगणना का निर्णय नहीं होता है, तो इस पर विचार किया जायेगा।

तालिबान के समर्थन पर किया था पोस्ट, पुलिस ने 15 लोगों को किया अरेस्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे का सोशल मीडिया पर कथित तौर पर समर्थन करने के आरोप में पुलिस ने असम के विभिन्न इलाकों से 14 लोगों को गिरफ्तार किया है। ये गिरफ्तारी शुक्रवार रात को की गई। इन पर गैरकानूनी गतिविधि (निरोधक) अधिनियम, आईटी अधिनियम और सीआरपीसी के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने शनिवार को बताया कि कामरूप (ग्रामीण), बारपेटा और धुबरी जिलों से दो-दो लोगों की गिरफ्तारी हुई। वहीं, दरांग, दक्षिण सलमारा, गोवालपारा और होजाई जिलों से एक-एक व्यक्ति की गिरफ्तारी हुई। बराक घाटी के तीन जिलों से चार लोगों को गिरफ्तार किया गया। इनमें करीमगंज से दो लोगों को जबकि दो अन्य जिलों से एक-एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है।

श्रीलंकाई नौसेना ने फिर बरसाए भारतीय मछुआरों पर पत्थर, 60 नौकाएं क्षतिग्रस्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। मत्स्य पालन विभाग के एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि श्रीलंकाई नौसेना द्वारा कथित तौर पर पथराव में करीब 60 भारतीय मछली पकड़ने वाली नौकाएं क्षतिग्रस्त हो गईं। उन्होंने कहा कि श्रीलंकाई नौसैनिकों ने 25 नौवों में मछली पकड़ने के जाल को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। वे लोग कल देर रात कच्चातीवू के पास मछली पकड़ने पहुंचे थे जहां ये पथराव हुआ। अधिकारियों ने मछुआरों के हवाले से कहा कि नौसेना के जवान करीब पांच जहाजों में आए और भारतीय नौकाओं पर पत्थर फेंकना शुरू कर दिया। हालांकि, इस घटना में कोई मछुआरा घायल नहीं हुआ। मछुआरा संघ के प्रतिनिधि एस एमेरिट ने कहा कि शनिवार रात करीब 556 नौकाओं को समुद्र में उतारा गया। इसके बाद उनमें से कुछ को श्रीलंकाई नौसेना ने निशाना

बनाया गया।

उन्होंने इस तरह की बार-बार होने वाली घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए इस मुद्दे का समाधान निकालने और उनकी आजीविका सुनिश्चित करने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों से हस्तक्षेप करने की मांग की। मामले में मत्स्य पालन के वरिष्ठ अधिकारियों से शिकायत की गई है।बता दें कि अभी 10 दिन पहले भी रामेश्वरम में मंडपम समुद्री तट पर सैकड़ों मछुआरे 300 नौकाओं पर सवार होकर मछली पकड़ने समंदर में उतरे थे। इन मछुआरों का कहना है कि जब वे लोग कच्चतीवू के निकट मछली पकड़ रहे थे तभी श्रीलंका की नौसेना की 5 पेट्रोलिंग बोट ने इन्हें चारों ओर से घेर लिया और इन पर पत्थरों की बरसात शुरू कर दी।

उत्तर प्रदेश में हो सकता है जेडीयू का भाजपा के साथ गठबंधन, सीटों को लेकर अंतिम दौर में बातचीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव के लिए अपने क्षेत्रीय सहयोगियों के साथ गठबंधन मजबूत कर रही भारतीय जनता पार्टी (ँझ) अब जनता दल (यूनाइटेड) के साथ भी सीमित तालमेल कर सकती है। इस बारे में दोनों दोनों दलों के वरिष्ठ नेताओं के बीच बातचीत भी हुई है। बिहार से सटे उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती लगभग दो दर्जन विधानसभा क्षेत्रों में जदयू का प्रभाव माना जाता है। भाजपा और जदयू के बीच गठबंधन बिहार तक सीमित है। उत्तर प्रदेश में पूर्व में भाजपा और जदयू के बीच गठबंधन रहा है, लेकिन बीते कुछ सालों से दोनों दल दलों के बीच कोई चुनावी तालमेल नहीं रहा है। भाजपा नेता इसकी वजह उत्तर प्रदेश में जदयू का जनाधार न होना मानते हैं, लेकिन सामाजिक समीकरणों को देखते हुए इस बार दोनों दलों के नेताओं के बीच बातचीत हो रही है।दरअसल बिहार के सीमावर्ती उत्तर प्रदेश के लगभग दो दर्जन विधानसभा क्षेत्र ऐसे हैं जहां पर जदयू खुद को प्रभावी होने का दावा कर रहा है। इसके अलावा जदयू नेताओं का यह भी कहना है कि उत्तर प्रदेश के कुर्मी और भूमिहार वर्ग में उसकी अच्छी खासी पैठ है। गठबंधन होने पर भाजपा को इसका ज्यादा लाभ मिल सकता है।जदयू के महासचिव केसी त्यागी काफी समय से भाजपा नेताओं के संपर्क में हैं और उनका कहना है कि भाजपा और जदयू के वरिष्ठ नेताओं के बीच इस बारे में दो दौर की बातचीत भी हो चुकी

है। इनमें गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ जदयू के शीर्ष नेतृत्व की बातचीत शामिल है। गौरतलब है कि इससे पहले केसी त्यागी गठबंधन न होने पर राज्य में अकेले ही चुनाव लड़ने की बात भी कह चुके हैं, लेकिन उन्होंने साफ किया है जदयू की प्राथमिकता भाजपा के साथ गठबंधन पर है और उसके प्रयास लगातार जारी हैं। अगले सप्ताह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जातीय जनगणना के मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने दिल्ली आ रहे हैं। सूत्रों का कहना है इस दौरान भाजपा और जदयू नेताओं के बीच उत्तर प्रदेश को लेकर अनौपचारिक बातचीत हो सकती है। जदयू के एक वरिष्ठ नेता ने कहा है कि अभी चुनाव में समय है और धीरे-धीरे बातचीत आगे बढ़ रही है। उन्होंने ने दावा किया कि अगर दोनों दल साथ आते हैं तो उसका ज्यादा लाभ भाजपा को ही मिलेगा, क्योंकि वह ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ रही है। जदयू कितनी सीटों पर लड़ेगा इस बारे में वह कोई दावा नहीं करना चाहते लेकिन जो भी स्थिति होगी वह सम्मानजनक होगी। जदयू का यह भी कहना है कि गठबंधन होने की स्थिति में नीतीश कुमार भी चुनाव प्रचार मैदान में उतरेंगे और निश्चित तौर पर उनके प्रचार से भाजपा को एक अतिरिक्त लाभ की स्थिति बनेगी। इससे एक नया सामाजिक संदेश भी जाएगा।

काबुल एयरपोर्ट को 48 घंटे के लिए किया गया बंद, भीड़ को निकाला जाएगा बाहर

काबुल (एजेंसी)। अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद काबुल एयरपोर्ट पर देश छोड़कर जाने वालों की भारी भीड़ जमा हो गई है। एयरपोर्ट से इसी भीड़ को बाहर निकालने के लिए काबुल एयरपोर्ट को 48 घंटे के लिए बंद कर दिया गया है। हालांकि, विमानों की आवाजाही चलती रहेगी, लेकिन नए यात्रियों की एंट्री पर रोक के साथ-साथ अंदर पहले से मौजूद लोगों को बाहर भी निकाला जाएगा। दरअसल, देश छोड़ भागने का प्रयास कर रहे अफगानों को तालिबान आतंकवादियों के प्रतिशोध लेने की आशंका है। ये अफगानी हवाई अड्डे के भीतर और बाहर बड़ी संख्या में जमा हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रविवार को हवाई अड्डा के बाहर सात लोगों की मौत हो गई।

यूपी में मुख्यमंत्री पद के लिए कांग्रेस के चेहरे के संबंध में प्रियंका गांधी करेंगी फैसला : खुर्शीद

मेरठ (एजेंसी)। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद ने कहा है कि 2022 में उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री पद के लिए पार्टी का चेहरा कौन होगा, इस बारे में पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा फैसला करेंगी। चुनाव घोषणा पत्र के सिलसिले में शनिवार को मेरठ पहुंचे खुर्शीद ने कहा कि उत्तर प्रदेश मे कांग्रेस पूरी ताकत के साथ चुनाव लड़ेगी और जीतेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी प्रियंका गांधी के नेतृत्व में मौजूदा सरकार की नीतियों के खिलाफ आवाज उठाएगी।

खुर्शीद ने मीडिया से बातचीत के दौरान कांग्रेस के अगले राष्ट्रीय अध्यक्ष के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में किसी का नाम लिए बगैर कहा कि सब जानते हैं कि

पार्टी किसके नेतृत्व में आगे बढ़ रही है। उन्होंने राज्य में होने वाले चुनाव में मुख्यमंत्री पद के लिए पार्टी के चेहरे के चयन के बारे में कहा कि यह फैसला प्रियंका करेंगी। खुर्शीद ने उत्तर प्रदेश में किसानों की हालत को चिंताजनक बताया। उन्होंने अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद वहां पैदा हुई अराजकता के मद्देनजर कहा कि भारत में रह रहे अफगानिस्तान के छात्रों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने अफगानिस्तान संबंधी नीति को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार को अफगानिस्तान और तालिबान के मामले में अपनी नीति स्पष्ट करनी चाहिए। इस मौके पर मौजूद पार्टी की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि कोरोना वायरस की दूसरी लहर के दौरान ''ऑक्सीजन की कमी से लाखों लोगों की जान गई। प्रदेश में महिलाओं का कोई सम्मान नहीं है। किसान और युवक परेशान हैं। अब तक 10 फीसदी लोगों का भी टीकाकरण नहीं हुआ है। उत्तर प्रदेश कुपोषण और महिलाओं के खिलाफ अपराधों के मामले में शीर्ष पर है। महंगाई चरम पर है। किसानों पर अत्याचार हो रहा है। बेरोजगारी बढ़ गई है। अब सरकार की विदाई होने वाली है। उल्लेखनीय है कि पार्टी का घोषणा पत्र तैयार करने के लिए कांग्रेस के नेता इस समय राज्य के विभिन्न हिस्सों का दौरा कर रहे हैं।

तालिबान ने तैयार कर लिया शासन का फॉर्मूला, जल्द कर सकता है ऐलान

काबुल (एजेंसी)। काबुल पर कब्जा करने के एक हफ्ते बाद तालिबान ने रविवार को कहा कि वह जल्द ही अफगानिस्तान में एक नई सरकार के गठन की घोषणा कर सकता है। तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने कहा कि अफगान राजनीतिक नेताओं के साथ एक नई सरकार के गठन पर बातचीत चल रही है और जल्द ही एक नई सरकार की घोषणा की जाएगी। अफगानिस्तानी चैनल टोलो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने कहा, हमारे राजनीतिक अधिकारियों ने यहां काबुल में नेताओं से मुलाकात की, उनके विचार महत्वपूर्ण हैं, चर्चा चल रही है, इंशाअल्लाह, जल्द ही सरकार

की घोषणा की उम्मीद है। तालिबान समूह के एक नेता ने बताया कि तालिबान के को-फाउंडर और डिप्टी लीडर मुल्ला अब्दुल गनी बरादर शनिवार को काबुल पहुंचे, ताकि ताकि सरकार बनाने के लिए अफगान राजनीतिक नेताओं के साथ औपचारिक चर्चा शुरू हो सके।

वहीं, तालिबान के नेता शनिवार को पूर्व राष्ट्रपति हामित करजई और हाई काउंसिल फॉर नेशनल रिकॉन्सिलेशन (एचसीएनआर) के प्रमुख अब्दुल्ला अब्दुल्ला सहित कई राजनेताओं से मुलाकात की। रिपोर्ट के अनुसार इन नेताओं के बीच भी देश में एक नई सरकार के गठन को लेकर और मौजूदा राजनीतिक हालात पर चर्चा हुई। अब्दुल्ला अब्दुल्ला ने एक फेसबुक पोस्ट में तालिबान नेताओं के साथ बैठक की पुष्टि करते हुए कहा कि चर्चा राजनीतिक प्रक्रिया और समावेशी सरकार के गठन पर केंद्रित थी। वहीं, कुछ अफगान नेताओं ने इस तरीके की बातचीत की आलोचना करते हुए कहा कि राजनीतिक प्रक्रिया समावेशी होनी चाहिए। नहज़त-ए-हंबस्तगी अफगान पार्टी के प्रमुख सैयद इशाक गिलानी ने कहा, मैं इस गेम को एक अच्छे गेम के रूप में नहीं देखता क्योंकि यह व्यक्तियों के गेम की तरह दिखता है, हर कोई खुद को बढ़ावा देने की कोशिश कर रहा है।

काबुल एयरपोर्ट को 48 घंटे के लिए किया गया बंद, भीड़ को निकाला जाएगा बाहर

काबुल (एजेंसी)। अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद काबुल एयरपोर्ट पर देश छोड़कर जाने वालों की भारी भीड़ जमा हो गई है। एयरपोर्ट से इसी भीड़ को बाहर निकालने के लिए काबुल एयरपोर्ट को 48 घंटे के लिए बंद कर दिया गया है। हालांकि, विमानों की आवाजाही चलती रहेगी, लेकिन नए यात्रियों की एंट्री पर रोक के साथ-साथ अंदर पहले से मौजूद लोगों को बाहर भी निकाला जाएगा।दरअसल, देश छोड़ भागने का प्रयास कर रहे अफगानों को तालिबान आतंकवादियों के प्रतिशोध लेने की आशंका है। ये अफगानी हवाई अड्डे के भीतर और बाहर बड़ी संख्या में जमा हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रविवार को हवाई अड्डा के बाहर सात लोगों की मौत हो गई है। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय के हवाले से स्काई न्यूज ने सोमवार को इस आशय की जानकारी दी। मंत्रालय ने कहा कि धरातल पर स्थितियां बेहद चुनौतीपूर्ण बनी हुई हैं लेकिन हम स्थिति को यथासंभव संरक्षित और सुरक्षित तरीके से प्रबंधित करने के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है।

अंखड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं.

UPHIN 2001/9025